लखनऊ

गुरुवार, 17 सितंबर, 203

वर्ष : 12 । अंक: 24

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जब तक आप किसी काम को करने की कोशिश नहीं करते, तब तक वह काम नामुमकिन ही लगता है।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

बिहार में बाढ़ से 50 लाख लोग प्रभावित, शिवराज सिंह चौहान ने हर संभव मदद का दिया भरोसा

पटना, एजेंसी। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को बिहार में बाढ़ प्रभावित इलाकों का विस्तृत जायजा लिया और संकट से निपटने में राज्य की मदद के लिए केंद्र सरकार की ओर से पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया। चौहान ने हाजीपुर में ग्रामीण आजीविका को हुए भारी नुकसान का आकलन किया और पाया कि कई जगहों पर पानी का स्तर 2016 की बाढ़ के समय के स्तर से भी ऊपर चला गया है, जिससे पूरे बिहार में लगभग 50 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। शिवराज ने पत्रकारों से कहा कि वे कह रहे हैं कि पानी का स्तर 2016 की बाढ़ से भी एक फ़ीट ज़्यादा था। हम देख सकते हैं कि यहाँ केले और मक्के की फ़सलें बर्बाद हो गई हैं और लगातार 10 दिनों से ज़्यादा समय तक पानी में डूबे रहने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े—पूरे बिहार में लगभग 50 लाख (5 मिलियन) लोगों को। फ़सलों को नुकसान पहुँचा है, घरों को नुकसान पहुँचा है, और कुछ लोग मवेशियों के नुकसान की भी बात कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर हालात का खुद जायज़ा लेने के लिए बिहार भेजा गया था। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय टीमें पहले से ही हुए नुकसान का आकलन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हम देख रहे हैं कि यहाँ केले और मक्के की फसल को नुकसान पहुँचा है क्योंकि वे लगातार 10 दिनों से ज़्यादा समय तक पानी में डूबी रही हैं। पूरे बिहार में लगभग 50 लाख लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है।

15,012 पदों पर निकली भर्ती, असिस्टेंट टीचर और पीजीटी के लिए ओटीआर जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अलग-अलग राज्यों में कथित पेपर लीक को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के बीच युवाओं तक पहुँचने की कोशिश करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि राज्य सरकार अगले छह महीनों में 1 लाख युवा उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र सौंपेगी। 'मिशन रोज़गार' के तहत कृषि विभाग में 3,446 नए चुने गए टेक्निकल असिस्टेंट (ग्रुप-C) और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) द्वारा चुने गए 126 मंडी सचिवों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने पिछले 9 वर्षों में पारदर्शी तरीके से और बिना किसी भेदभाव के 9.30 लाख से ज़्यादा युवाओं को सरकारी नौकरियाँ दी हैं। इसी बीच उत्तर प्रदेश में 15,012 टीचर पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने असिस्टेंट टीचर और पोस्ट ग्रेजुएट टीचर के पदों के लिए विज्ञापन जारी किए हैं। आयोग के चेयरमैन डॉ. प्रशांत कुमार ने 15 सितंबर को ये विज्ञापन जारी किए। इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को सबसे पहले ज़रूरी 'वन-टाइम रजिस्ट्रेशन' (OTR) पूरा करना होगा, जिसके बाद वे अपना आवेदन जमा कर सकेंगे। कुल खाली पदों में से 897 पद माध्यमिक शिक्षा विभाग में असिस्टेंट टीचर (प्राइमरी से जुड़े) के हैं, जबकि 11,508 पद बेसिक शिक्षा विभाग में असिस्टेंट टीचर (शहरी) के हैं।

यूपीआई से 2 लाख स्टार्टअप तक... कोलकाता में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गिनाईं मोदी सरकार की उपलब्धियां

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पीएम मोदी के जन्मदिन के मौके पर सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ करने के लिए कोलकाता में हैं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पीएम का जन्मदिन 17 सितंबर को है। ठीक इसके 20 दिन बाद सार्वजनिक जीवन के उनके 25 साल पूरे होंगे। सरकार की उपलब्धियों को लेकर उन्होंने कहा किहमने जरूरत से ज़्यादा रेगुलेशन और कम गवर्नेंस वाली सोच को बदल दिया है। हमने इसे सही रेगुलेशन और अच्छी गवर्नेंस वाला बनाया है। यही 'मोदीनॉमिक्स' है। मोदी को समझने के लिए आपको भारत को समझना होगा। मोदी की असली पूंजी लोगों का भरोसा है। पीसी में राजनाथ सिंह ने यूपीआई पर भी प्रतिक्रिया दी। आइए जानते हैं उन्होंने किस मुद्दे पर क्या

कहा।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमें UPI के बारे में भी बात करनी चाहिए। शुरू में इसका विरोध हुआ था। UPI के जरिए 23। 66 अरब ट्रांजैक्शन हुए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति ने UPI की तारीफ की है। सड़क किनारे सामान बेचने वालों (स्ट्रीट वेंडर्स) ने UPI से अपनी आमदनी बढ़ाई है। काम करने का तरीका बदला है। एक स्टार्टअप ने पहला 3D प्रिंटेड क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन बनाया है। क्या आपको नहीं लगता कि यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है?

100 देश खरीदते हैं हमारे डिफेंस प्रोडक्ट

पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। हमने 12 करोड़ शौचालय बनवाए हैं। 4 करोड़ लोगों को घर दिए गए हैं। पीएम मोदी ने एक महान नेता बनने के सभी पैमाने पूरे किए हैं। आज 2 लाख स्टार्टअप हैं, जबकि 2014 में इनकी संख्या सिर्फ 500 थी। डिफेंस सेक्टर के एक्सपोर्ट में 56% की बढ़ोतरी हुई है। यह आंकड़ा 1। 08 लाख करोड़ रुपये का है। 100 देश हमारे डिफेंस प्रोडक्ट खरीदते हैं।

मोदी जी, यूपीआई टैक्स वापस लीजिए: राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को उस व्यवस्था को तुरंत वापस लेने की मांग की, जिसे उन्होंने 'यूपीआई टैक्स' कहा है। यह व्यवस्था यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई से पेमेंट करते समय कुछ मर्चेंट ट्रांज़ैक्शन पर लगने वाले शुल्क में बदलाव करती है। नए नियम के तहत, 2,000 से ज्यादा के कुछ खास मर्चेंट ट्रांज़ैक्शन पर 0.4% मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू किया गया है; हालांकि, सरकार का कहना है कि ग्राहकों से MDR नहीं लिया जाएगा। एक्स पर एक वीडियो मैसेज में – जिसका कैप्शन था, मोदी जी, UPI टैक्स वापस लें। अभी राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीआई पर टैक्स लगाकर हर भारतीय पर टैक्स का बोझ डाला है और अमेरिका को भारी रकम दी है। राहुल गांधी ने वीडियो संदेश में कहा मोदी जी, कृपया अमेरिका के सामने झुकना बंद करें, हिम्मत दिखाएं, सीधे खड़े हों और यूपीआई टैक्स वापस लें।

यूपीआई चार्ज का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, एमडीआर के खिलाफ याचिका दायर

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में यूपीआई शुल्क के खिलाफ एक याचिका दायर की गई है। इस याचिका में केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा 14 और 15 सितंबर को जारी उन गैजेट नोटिफिकेशन को रद्द करने की मांग की गई है, जिनमें 2000 से ज्यादा के कमर्शियल यूपीआई ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाने की घोषणा की गई थी। यह याचिका वकील अंजन दत्ता ने इस आधार पर दायर की है कि हाल ही में घोषित चार्ज का असर आखिरकार आम नागरिकों पर पड़ेगा। यह याचिका केंद्र सरकार, RBI, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) और यूपीआई के खिलाफ दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि भले ही इन चार्जेज को मामूली और यूपीआई प्लेटफॉर्म को बनाए रखने के लिए जरूरी बताया जा रहा हो। चाहे फीस सीधे प्लेटफॉर्म या मर्चेंट पर ही क्यों न लगाई जाए, आम जनता पर इसका असर पड़ सकता है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि UPI ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाने से कैश पेमेंट को बढ़ावा मिल सकता है।

दवा की असली कीमत से कितनी ज्यादा महंगी दवा खरीदते हैं आप : तुकाराम मुंडे

नई दिल्ली, एजेंसी। अस्पताल में इलाज कराने के दौरान मरीज के हाथ में जो बिल आता है, उसमें कई ऐसी चीजें शामिल होती हैं, जिनकी असली खरीद कीमत शायद ही मरीज को पता होती है। अब महाराष्ट्र के IAS अधिकारी तुकाराम मुंडे ने एक पोस्ट के जरिए मेडिकल कंज्यूमेबल्स की कीमत और उनकी ट्रेड प्राइस के बीच के अंतर पर सवाल उठाया है। उन्होंने महाराष्ट्र के एक सर्वे का हवाला देते हुए बताया कि 11।50 रुपये के IV इन्फ्यूजन सेट की MRP 325 रुपये थी। अस्पताल का बिल देखते वक्त क्या आपने कभी सोचा है कि जिस मेडिकल सामान के लिए आप भुगतान कर रहे हैं... अस्पताल ने उसे कितने में खरीदा होगा? महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन के कमिश्नर IAS अधिकारी तुकाराम मुंडे ने इसी सवाल को उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में महाराष्ट्र के अस्पतालों में मेडिकल कंज्यूमेबल्स के एक सर्वे का हवाला दिया। इसके मुताबिक, 11।5 रुपये के ट्रेड प्राइस वाला एक IV इन्फ्यूजन सेट करीब 29 गुना महंगा बिल होता है। सिर्फ IV सेट ही नहीं। तुकाराम मुंडे के पोस्ट में दो और उदाहरण दिए गए हैं। 6 रुपये 75 पैसे में खरीदी गई सिरिंज की MRP 57 रुपये 20 पैसे बताई गई। वहीं 29 रुपये 41 पैसे में खरीदे गए कैथेटर की MRP 310 रुपये थी। यानी इन तीनों उदाहरणों में ट्रेड प्राइस और MRP के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। जब आप किसी मेडिकल स्टोर पर दवा खरीदते हैं... तो आपके पास कीमत देखने और दूसरे ब्रांड से तुलना करने का विकल्प हो सकता है। लेकिन अस्पताल में भर्ती मरीज के मामले में स्थिति अलग होती है। इलाज के दौरान इस्तेमाल होने वाले IV सेट, सिरिंज या कैथेटर को लेकर मरीज आमतौर पर न तो अलग-अलग दुकानों पर कीमत तलाश सकता है।

'कारगिल, पीओके और सर क्रीक देने की थी तैयारी'

निशिकांत दुबे का कांग्रेस पर आरोप, हवाना बैठक का दिया हवाला

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड के गोड्डा सीट से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने जुलाई 2006 में मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद तत्कालीन यूपीए सरकार की पाकिस्तान नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने सीमा पार आतंकवाद का जवाब सैन्य कार्रवाई से देने के बजाय अमेरिकी दबाव के बीच कूटनीतिक बातचीत का रास्ता चुना। एक्स पर साझा किए गए अपने पोस्ट में दुबे ने 2006 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद की परिस्थितियों की तुलना 2025 के पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' से की। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से दोनों घटनाओं के बाद अपनाए गए तौर-तरीकों को लेकर जनता के सामने जवाब रखने को कहा।

निशिकांत दुबे ने 16 सितंबर 2006 को हवाना में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के बीच हुई मुलाकात का हवाला दिया। उन्होंने इस बैठक को अमेरिका के दबाव में हुई कूटनीतिक पहल बताया। दुबे के मुताबिक, यह मुलाकात ऐसे समय हुई थी जब जुलाई 2006 में मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों से देश में भारी आक्रोश था। इन धमाकों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी, जबकि हजारों लोग घायल हुए थे और कई लोगों को गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचा था। दुबे का आरोप है कि हमलों के बाद देश में पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही थी, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व ने सैन्य जवाब देने के बजाय बातचीत के जरिए तनाव कम करने का रास्ता चुना।

मिसाइल दाग दो, मैं अकेला खड़ा रहूंगा..., असदुद्दीन ओवैसी की भाजपा एमएलए रामेश्वर शर्मा को चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। AIMIM प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भोपाल में यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) के विरोध में एक जनसभा को संबोधित करते हुए BJP विधायक रामेश्वर शर्मा को खुली चुनौती दी। उन्होंने भोपाल के काज़ी कैंप पर मिसाइल दागने के शर्मा के कथित बयान पर कहा कि वह उस इलाके में अकेले खड़े होकर इसका सामना करने के लिए तैयार हैं। भोपाल के सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, हैदराबाद के सांसद ने मध्य प्रदेश के BJP विधायक के कथित बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। विधायक ने कथित तौर पर कहा था कि वह करोंड स्क्वायर से भोपाल के अल्पसंख्यक-बहुल काज़ी कैंप इलाके की ओर मिसाइल दागेंगे।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि रामेश्वर शर्मा, अगर हिम्मत है तो बताओ, तुम मिसाइल कब लॉन्च करोगे? मैं काज़ी कैंप में अकेला खड़ा रहूंगा। मैं शहीद होने को तैयार हूं, मरने को तैयार हूं, लेकिन तुम जैसे लोगों के सामने सिर झुकाने को तैयार नहीं हूं। रामेश्वर शर्मा को काज़ी कैंप का इतिहास पता होना चाहिए। आखिर यह काज़ी कैंप क्या है? ओवैसी ने सवाल किया कि रामेश्वर शर्मा, सुनो कि काज़ी कैंप क्या है।

बाढ़ के बाद भूकंप से सहमा नेपाल देर रात महसूस किए गए दोहरे झटके

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बुधवार तड़के दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों भूकंप के बाद तत्काल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंपीय अनुसंधान केंद्र के अनुसार, पहला भूकंप 4.5 तीव्रता का था, जबकि कुछ ही देर बाद 4.2 तीव्रता का दूसरा झटका दर्ज किया गया।

राष्ट्रीय भूकंपीय अनुसंधान केंद्र ने बताया कि पहला भूकंप स्थानीय समयानुसार करीब रात 1:51 बजे आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र मुगु जिले के कलाई के पास बताया गया है।

करीब ढाई घंटे बाद फिर कांपी धरती

पहले झटके के बाद सुबह करीब 4:28 बजे 4.2 तीव्रता का दूसरा भूकंप दर्ज किया गया। इस भूकंप का केंद्र भी मुगु जिले के कलाई के पास ही स्थित था। लगातार दो झटकों से इलाके के लोगों में चिंता पैदा हो गई।दोनों भूकंप के झटके पड़ोसी डोल्पा और जुम्ला जिलों में भी महसूस किए गए। भूकंप के बाद स्थानीय लोगों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बना, हालांकि अधिकारियों ने तत्काल किसी के घायल होने या किसी इमारत को नुकसान पहुंचने की सूचना से इनकार किया है।

जंतर-मंतर मामले में गठित हाई-पावर्ड कमेटी में नहीं होगा कोई भी बदलाव, सुप्रीम कोर्ट ने किया साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने जंतर मंतर मामले में गठित हाई-पावर्ड इंक्वायरी कमेटी यानी HPEC को जांच आगे बढ़ाने को लेकर कई अहम निर्देश दिए हैं। साथ ही जांच कमेटी में किसी भी तरह के बदलाव से सुप्रीम कोर्ट ने साफ इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि कमेटी सबसे पहले प्रदर्शन के दौरान पेलेट गन के इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने और उनके साथ कथित बदसलूकी, ज्यादा हिंसा और दोनों पक्षों की ओर से संपत्ति को हुए नुकसान से जुड़े मामलों की जांच करे। CJI सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिए है।

सुप्रीम कोर्ट ने कुछ याचिकाकर्ताओं की उस मांग को स्वीकार नहीं किया,

जिसमें HPEC की संरचना बदलने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि कमेटी ने अभी अपनी जांच शुरू भी नहीं की है और ऐसे में उसके खिलाफ अनुमान या पहले से बनी धारणा के आधार पर सवाल उठाना जल्दबाजी होगी। कोर्ट ने साफ किया कि HPEC का काम निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कोर्ट की मदद करना है। कमेटी किसी एक पक्ष के हित में काम करने के लिए नहीं बनाई गई है।

गवाहों की पहचान गुप्त रखने का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने HPEC से कहा कि जो संवेदनशील या कमजोर गवाह अपनी बात रखने के लिए सामने आएं, उन्हें सुरक्षा दी जाए और उनकी पहचान गोपनीय रखी जाए। गवाहों के बयान और उनके द्वारा दिए गए सबूतों को भी पूरी तरह गोपनीय रखने को कहा गया है। इसके लिए एक अलग ऑनलाइन पोर्टल बनाने का सुझाव भी दिया गया है, ताकि गवाह और दूसरे संबंधित लोग दस्तावेज और सबूत जमा कर सकें। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने बीते महीने जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शन के मामले की जांच के लिए हाई पावर्ड कमेटी बनाने का ऐलान किया था।

दो वरिष्ठ वकीलों को एमिकस क्यूरी बनाया

सुप्रीम कोर्ट ने डॉ. मोनिका गुसैन, वरिष्ठ अधिवक्ता और सी. सोलोमन, AOR को Amici Curiae नियुक्त किया है। ये कोर्ट की सहायता करेंगे, HPEC के प्रतिनिधि के तौर पर काम करेंगे और पक्षों के बीच स्वतंत्र मध्यस्थ की भूमिका भी निभाएंगे।कोर्ट ने HPEC से जल्द से जल्द Member Secretary नियुक्त करने को भी कहा है, ताकि कमेटी को प्रशासनिक और दूसरे जरूरी कामों में मदद मिल सके। कोर्ट ने HPEC से अपनी पहली रिपोर्ट जल्द दाखिल करने को कहा है।

पाकिस्तानी जहाज अरब सागर में भारतीय युद्धपोत से टकराया : तेज रफ्तार से गलत दिशा में मुड़ा था, दिल्ली में पाक हाईकमिश्नर तलब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान को जबरदस्त लताड़ लगाते हुए समुद्र में उसकी नौसेना की लापरवाही पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। नई दिल्ली में पाकिस्तान के उच्चायोग के कार्यवाहक प्रमुख को विदेश मंत्रालय में तलब कर भारतीय नौसेना के एक पोत से पाकिस्तानी नौसैनिक इकाई की टक्कर पर तीखा विरोध जताया गया। भारत ने इस पूरे घटनाक्रम को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर आचरण करार दिया है।

हम आपको बता दें कि यह घटना अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में हुई। हालांकि टक्कर से किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन भारत ने साफ कर दिया कि मामला केवल एक सामान्य समुद्री दुर्घटना मानकर नजरअंदाज करने वाला नहीं है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार पाकिस्तानी नौसैनिक पोत का आचरण वर्ष 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिक गतिविधियों की अग्रिम सूचना संबंधी समझौते के अनुच्छेद 10 के सीधे विपरीत था।

भारत की आपत्ति का सबसे अहम पहलू यही है कि सैन्य गतिविधियों में शामिल इकाइयों से केवल पेशेवर दक्षता ही नहीं, बल्कि स्थापित समझौतों और सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के कठोर पालन की अपेक्षा की जाती है। देखा जाये तो समुद्र में दो देशों की सैन्य इकाइयों की मौजूदगी अपने आप में संवेदनशील होती है और ऐसे में मामूली चूक भी गंभीर सुरक्षा संकट का रूप ले सकती है।

नई दिल्ली में पाकिस्तान के राजनयिक प्रतिनिधि को स्पष्ट संदेश दिया गया कि वह इस मामले को संबंधित पाकिस्तानी अधिकारियों तक पहुंचाएं और यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो। भारत ने सैन्य इकाइयों को समुद्र में आवश्यक सावधानी बरतने और दोनों देशों के बीच लागू समझौतों का सम्मान करने की जरूरत पर जोर दिया है। इसी के साथ इस्लामाबाद स्थित भारतीय राजनयिक प्रतिनिधि को भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष इसी मुद्दे पर औपचारिक विरोध दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है।

हम आपको बता दें कि यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब अरब सागर और आसपास के समुद्री क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार महत्वपूर्ण बनी हुई हैं। पाकिस्तान नौसेना ने सितंबर की शुरुआत में समुद्री युद्धाभ्यास शुरू किया था, जिसका उद्देश्य उसकी युद्धक तैयारी को परखना बताया गया था। पाकिस्तान नौसेना के समुद्री चेतावनी अभिलेखों में भी अगस्त-सितंबर के दौरान अरब सागर में विभिन्न सैन्य और समुद्री गतिविधियों के उल्लेख मिलते हैं।

दिलचस्प बात यह भी है कि ऐसा मामला पहली बार सामने नहीं आया है। वर्ष 2011 में भी भारत ने पाकिस्तानी नौसैनिक पोत बाबर द्वारा भारतीय नौसेना के पोत गोदावरी के आसपास जोखिमपूर्ण गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान के समक्ष विरोध दर्ज कराया था और उस समय भी 1991 के इसी समझौते के अनुच्छेद 10 का हवाला दिया गया था।

जिन गांव वालों के उजाड़े थे घर, अब उन्हीं ने अपनाने से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। हथियार डालकर समाज की मुख्यधारा में वापस लौटे ऐसे कुछ हथियारबंद नक्सलियों के सामने एक बड़ी समस्या आ रही है। जिन्होंने दहशत के दिनों में अपने ही गांव वालों का खून बहाया था। अब आत्मसमर्पण कर चुके यह नक्सली जब अपने गांवों में जा रहे हैं तो गांववाले इनकी खुली मुखालफत करते हुए इन्हें अपनाने से इंकार कर रहे हैं। गांव वालों का तर्क है कि खून-खराबे के दौर में जब इन्होंने जिसे चाहा उसे पुलिस का मुखबिर बताकर कितने ही घरों को उजाड़ दिया तो अब इन पर कैसे भरोसा किया जा सकता है?

मामले में छत्तीसगढ़ सुकमा जिले के एसपी मयंक गुर्जर ने भी एनबीटी को बताया कि सरेंडर किए हुए कुछ नक्सलियों के सामने इस तरह की समस्या आई हैं। जिन्हें गांव वालों से बातचीत करके दूर किया जा रहा है

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों का कहना है कि अब वह किसी भी सूरत में हथियार नहीं उठाएंगे, बस उन्हें उनके गांव में भी जगह मिल जाए तो अच्छा हो जाएगा। इसके लिए पुलिस-प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है कि सरेंडर कर चुके नक्सलियों को अब कोई समस्या ना आने पाए। पुलिस प्रशासन इनके रोजगार के लिए भी लगातार काम कर रहा है। ताकि इनके सामने रोजी-रोटी का भी संकट पैदा ना होने पाए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यूं तो देश में जितने भी राज्यों में हथियारबंद नक्सली थे। उनमें से कुछ मारे गए तो अधिकतर ने सरकार के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। लेकिन झारखंड में अभी भी 20-25 नक्सलियों के एक-दो ग्रुप अभी बचे हुए हैं।

वाराणसी सीवर विवाद पर अजय राय का आरोप, जलभराव छिपाने के लिए भाजपा ने डलवाई रेत की बोरियां

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। वाराणसी में सीवर मैनहोल में रेत की बोरियां मिलने की घटना की जांच हो रही है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया है कि भारी बारिश के बाद जलभराव की समस्या से ध्यान हटाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने ये बोरियां वहां रखवाई थीं। राय ने वाराणसी में भारी जलभराव के मुद्दे पर बात करते हुए सवाल उठाया कि अधिकारियों को कैसे पता चला कि किस खास मैनहोल में रेत की बोरियां हैं।

अजय राय ने कहा कि उन्हें कैसे पता चला कि उसी खास मैनहोल से रेत की बोरियां निकालनी हैं? इससे साफ पता चलता है कि बीजेपी के लोगों ने ही वहां ये बोरियां रखवाई थीं। अगर ऐसा नहीं है, तो वहां 12 CCTV कैमरे लगे हैं; फुटेज की जांच करें और सच सबके सामने आ जाएगा। रेत की बोरियां मिलने के बाद जल निगम ने FIR दर्ज कराई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को वाराणसी से वडनगर तक बीजेपी की प्रस्तावित 'सेवा संकल्प अभियान' बाइक रैली पर टिप्पणी करते हुए, राय ने पार्टी को राजनीतिक अभियान चलाने के बजाय पूरे हो चुके शहरी बुनियादी ढांचे को दिखाने की चुनौती दी।

सरकारीएजेंसियां खोजें

उन्होंने कहा कि बड़े नेता यहां आ रहे हैं। अगर उनमें हिम्मत है, तो वे वाराणसी रोपवे में बैठकर उसका उद्घाटन करें। जन्मदिन समारोह के बहाने, ये लोग केवल चुनाव की तैयारी कर रहे हैं क्योंकि वे हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं। राय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान की भी आलोचना की जिसमें कहा गया था कि 2029 से पहले सभी NDA-शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता (UCC) लागू की जाएगी।

उन्होंने बीजेपी पर समाज को बांटने के लिए सांप्रदायिक मुद्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे केवल हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करना जानते हैं। मस्जिदों को तोड़ा या निशाना बनाया जा रहा है, जैसा कि सहारनपुर में देखा गया, और तनाव भड़काने के लिए मुरादाबाद की मुस्तफा मस्जिद को नोटिस भेजे जा रहे हैं। चाहे वे UCC लाएं या UGC, उनका एकमात्र मकसद समुदायों को एक-दूसरे से लड़वाना है।

शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. पवनेश मिश्र सम्मानित

सुल्तानपुर। नगर के लक्ष्मणपुर कॉलोनी निवासी एवं क्राइस्ट चर्च कॉलेज, कानपुर के वाणिज्य विभाग में कार्यरत शिक्षक डॉ. पवनेश मिश्र को शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। श्री मिश्र ने बताया कि उन्हें यह सम्मान महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ(आईक्यूएसी) एवं राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद(नैक) समिति की संस्तुति के उपरांत प्रदान किया गया है। जिसे उन्हें मंगलवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति एवं एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू), नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. विनय पाठक ने सम्मान समारोह में प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कुछ अन्य शिक्षकों को भी सम्मानित किया

संक्षेप

सीएचसी पर गर्भवती महिलाओं का परीक्षण कैंप आयोजित

कुड़वार/सुल्तानपुर। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एक दिवसीय शिविर आयोजित हुआ। शिविर में आई हुई महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यकतानुसार जांच कराकर दवाइयां वितरित की गई। मंगलवार को स्थानीय सीएचसी पर गर्भवती महिलाओं का जांच शिविर में महिला स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा हाईट, वजन, खून व आवश्यकतानुसार अल्ट्रासाउंड जांच की गई। साथ ही जिन महिलाओं में कमजोरी के लक्षण पाए गए उनके चिकित्सीय देखरेख में भर्ती करके आयरन शुक्रोज लगाए गए। कैंप में महिलाओं के टीकाकरण भी किया गया। अस्पताल पहुंचने वाली गर्भवती महिलाओं में सीमा, सुनीता, सुमन, साधना, संगीता सहित लगभग 60 महिलाओं ने परीक्षण कराकर स्वास्थ्य लाभ लिया। कैंप में एलटी शालिनी त्यागी, स्टाफ नर्स शीतल, रेशमा बानो रेनू मिश्रा ने महिलाओं की जांच पड़ताल की। अधीक्षक वेदांत नारायण यादव ने गर्भवती महिलाओं को सलाह दी कि पानी का अत्यधिक सेवन करे। गर्भावस्था के दौरान ताजा भोजन करे, खानपान में हरी सब्जियां शामिल करे। सुबह शाम नियमित टहले। कुपोषण से बचाव स्वस्थ गर्भ के लिए अत्यधिक जरूरी है। किसी भी समस्या पर चिकित्सक की सलाह से ही दवाओं का सेवन करे।उन्होंने बताया कि माह भर के चार तिथियां गर्भवती महिलाओं के परीक्षण के लिए निर्धारित है।

अवध को समझने के लिए अवधी साहित्य पढ़ना जरूरी–प्रो. के. के सिंह

सुलतानपुर। जो अवध नहीं आया है वह यहां की साहित्यिक रचनाओं को पढ़ कर इस क्षेत्र को जानता समझता है । जायसी और तुलसी की कविता में अवध की संस्कृति बोलती है। यह संस्कृति बताती है कि ज्ञान यदि आचरण में नहीं तो उसका कोई मतलब नहीं इसलिए विद्या को आचरण से जुड़ना चाहिये। यह बातें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर कृष्ण कुमार सिंह ने कहीं। वह राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिन्दुस्तानी एकेडेमी के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में भारतीय ज्ञान परम्परा और अवधी साहित्य एवं संस्कृति विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी तीन सत्रों में चली। इसके प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए मुम्बई विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रामजी तिवारी ने कहा कि अवध की संस्कृति समायोजन की संस्कृति है ।तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से अवध के संस्कृति की प्रतिष्ठा की है। द्वितीय सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सत्यप्रिय पाण्डेय ने कहा भारतीय ज्ञान परम्परा को मजबूत करने में लोक साहित्य का योगदान वेद शास्त्र से कम नहीं है। कवि घाघ ने स्थापित किया था कि कृषि स्वाधीनता प्रदान करती है और नौकरी पराधीनता दर्शाती है। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामलाल कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ राजकुमार प्रसाद ने कहा अवधी भाषा में जो प्रेमाख्यान रचे गए हैं वैसा साहित्य किसी भारतीय भाषा में नहीं रचा गया। मध्यकालीन अवधी साहित्य बताता है कि एक ओर तुलसीदास आदर्श समाज की स्थापना कर रहे थे तो दूसरी ओर प्रेमाख्यान के कवि समाज का यथार्थ रच रहे थे। संत तुलसीदास पीजी कालेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सतीश कुमार सिंह ने कहा कि अवध का इतिहास काफी समृद्ध रहा है। तृतीय सत्र में वरिष्ठ साहित्यकार राम बहादुर मिश्र ने कहा कि वर्तमान भाषाई चुनौतियों के बीच मजबूती से खड़ी अवधी दुनिया की विभिन्न भाषाओं में एक सशक्त भाषा के रूप में स्थापित है। केएनआई के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर राधेश्याम सिंह ने कहा भारतीय ज्ञान परम्परा का सौंदर्य उसकी बहुलता में है। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों की संस्कृतियां समाहित हैं। संत तुलसीदास पीजी कालेज के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ ओंकारनाथ द्विवेदी ने कहा कि अवधी साहित्य दुनिया का इकलौता साहित्य है जो किसी राजा के आश्रय में नहीं पला । अवधी साहित्य सच्चे अर्थों में जनचेतना का साहित्य है। अंतिम सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार कमल नयन पाण्डेय ने किया। स्वागत प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी, संचालन संयोजक प्रोफेसर इन्द्रमणि कुमार व आभार ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने किया।

श्री रामलीला ट्रस्ट समिति की बैठक सम्पन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। श्री रामलीला ट्रस्ट समिति (नगर) की साधारण सभा की बैठक सायम 4.00 बजे संत तुलसीदास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामलीला मैदान, सुल्तानपुर में सम्पन्न हुई जिसमें आगामी 8 अक्टूबर 2026(गुरुवार) से शुरू होने वाले 15 दिवसीय रामलीला महोत्सव पर चर्चा हुई जिसमें ट्रस्ट समिति के पदाधिकारी रामलीला महोत्सव 2026 को सफल व सुचारू ढंग से संपन्न करने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। जिस पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमति प्रकट की तथा आम जनमानस को रामलीला महोत्सव में सपरिवार पहुंचकर भगवान राम की जीवन लीला को देखने के लिए सादर आमंत्रित किया गया है। इस मौके पर राम निवास अग्रवाल, सुषमा मिश्रा, शैलेंद्र शुक्ल, सियाराम गुप्ता, राम उजागिर तिवारी, सौरभ त्रिपाठी, हरिव्रत मिश्र, अजय दूबे, लक्ष्मी नारायण मिश्र, राम प्रताप यादव, ज्ञान प्रकाश शुक्ला, बृजेश कुमार तिवारी, शैलेंद्र कुमार त्रिपाठी, अजित उपाध्याय, प्रधानाचार्य सतीश कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

बदमाशों ने मिर्ची का धुआं कर खुलवाया दरवाजा... फिर परिवार को बनाया बंधक

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में बदमाशों ने एक स्क्रैप व्यापारी के घर पर 10 लाख रुपये की डकैती डाली। व्यापारी के पत्नी के हाथों में चाकू मारकर बदमाशों ने कान के कुंडल और अंगुलियों की अंगूठियां तक उतरवा ली। बदमाश लगभग आठ लाख की कीमत के जेवर और दो लाख रुपये नकद ले गए। बदमाशों नें सात साल के मासूम के गले पर चाकू रख दिया और घर वालों को धमकी दी की शोर मचाने पर सबकी हत्या कर देंगे।

ये पूरी घटना गाजयाबाद के भोजपुर थाना इलाके के कलाछीना गांव की है। घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है। आठ बदमाशों ने मिर्च जलाकर पहले स्क्रैप व्यापारी के घर का दरवाजा खुलवाया। फिर परिवार को बंधक बनाकर डैकती की। व्यापारी का परिवार दो घंटे तक खौफ में रहा। पुलिस के आला अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

कलछीना गांव के सद्दाम (47) स्क्रैप व्यापारी हैं। वो अपनी पत्नी अफरुजा और चार बच्चों के साथ रहते हैं। उनके तीन बेटे और एक 16 साल की बेटी है। घर के बाहर ही किराना की दुकान भी है, जहां उनकी पत्नी बैठती हैं। जानकारी के अनुसार सोमवार को पूरा परिवार घर में सो रहा था। इसी बीच बदमाशों ने दुकान का ताला तोड़ा और घर में दाखिल हुए। उन्होंने मिर्ची जलाई और उसको कमरे के गेट के नीचे रख दी।

कुछ देर में धुआं कमरे में फैलने लगा। परिवार के लोग घुटन महसूस करने लगे तब व्यापारी की पत्नी ने दरवाजा खोला। इसके बाद बदमाश कमरे में घुसे और अफरुजा के हाथ में चाकू मार दिया। अफरुजा की चीख सुनकर सद्दाम और बच्चों की नींद खुल गई। सद्दाम ने हिम्मत दिखाने की कोशिश की तो एक बदमाश ने उनके बेचे के गले पर चाकू रख दिया। फिर सद्दाम के हाथ पैर रस्सी के बांधकर बंधक बना लिया गया।

दो घंटे बदमाशों ने घर में की लूट

एक बदमाश ने तमंचे से बच्चों को डराए रखा। अन्य ने घर में लूट करनी शुरू कर दी। अलमारी और सेप खोलकर जेवर और नकदी निकाल ली। दो घंटे बाद आरोपी फरार हो गए। मंगलवार को सद्दाम की दुकान नहीं खुली तो आसपास के लोग उनके घर आए। परिवार को बंधनमुक्त कराया। सूचना पर पुलिस दौड़ी। पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और सबूत जुटाए।

पीड़ित के अनुसार, बदमाश घर से लगभग दो लाख रुपये, सोने के कंगन, झुमकी, पाजेब, कुंडल आदि जेवर ले गए। बदमाश ने जब बेटे के गले पर चाकू रखा था तो उन्होंने कहा कि वो यहां कई दिनों से रेकी कर रहे हैं। उनको सब पता है। अफरुजा से कहा कि सारी नकदी और जेवर वो उनको दे दे, वरना बेटे को मार देंगे। अफरुजा मिन्नतें करती रहीं, लेकिन बदमाशों को दया नहीं आई। आरोप लगाया गया है कि बदमाशों ने सद्दाम की बेटी के साथ भी छेड़छाड़ की। फिलहाल पुलिस ने सद्दाम की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है। बदमाशों की तलाश की जा रही है।

आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट के विरोध में खून से लिखा पत्र सौंपा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। आरक्षण, एससी/एसटी एक्ट और यूजीसी से जुड़े मुद्दों को लेकर बुधवार को कटका क्लब सामाजिक संस्था एवं राष्ट्रीय सवर्ण समाज परिषद के संयुक्त तत्वावधान में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कटका क्लब के अध्यक्ष डॉ. सौरभ मिश्र 'विनम्र' ने राष्ट्रपति के नाम अपने खून से लिखा पत्र जयसिंहपुर एसडीएम संतोष यादव को सौंपा।

डॉ. सौरभ मिश्र ने कहा कि खून से लिखा पत्र इन मुद्दों के प्रति विरोध और सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का प्रतीक है। उन्होंने आरक्षण व्यवस्था तथा एससीध्एसटी एक्ट से जुड़े प्रावधानों पर पुनर्विचार करने और सभी वर्गों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की मांग की। पूर्व सेना अधिकारी शिव कुमार तिवारी ने कहा कि सामाजिक समरसता और देश की एकता के लिए सभी वर्गों के साथ समान व्यवहार जरूरी है। नीतियां बनाते समय सामाजिक न्याय के साथ समान अवसर और योग्यता के पहलू पर भी विचार किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय सवर्ण समाज परिषद के मंडल अध्यक्ष गौरी शंकर शर्मा ने कहा कि आरक्षण व्यवस्था में बदलाव समेत विभिन्न मांगों को लेकर संगठन लंबे समय से आवाज उठा रहा है। उन्होंने सरकार से मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के जिलाध्यक्ष अंकुर पांडेय ने कहा कि समाज की मांगों और भावनाओं को लोकतांत्रिक तरीके से सरकार तक पहुंचाया जा रहा है। संबंधित मुद्दों पर व्यापक चर्चा के बाद सभी वर्गों के हित में समाधान निकाला जाना चाहिए। प्रदर्शन में बृजेंद्र मिश्र, विपिन तिवारी, जेपी तिवारी, अमित उपाध्याय, आलोक दुबे, अम्बेडकर मिश्र, रमेश त्रिपाठी, राम नायक तिवारी, अतुल तिवारी, नीरज तिवारी, धर्माता पांडेय समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधान के घर पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

कुड़वार/सुल्तानपुर। रविवार घर से खाद लेने निकले ग्राम प्रधान के चाचा की सड़क दुर्घटना में मौत की जानकारी मिलने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधान के घर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दे कि रविवार को कांग्रेसी नेता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व भगवती प्रसाद यादव के पुत्र प्रेम कृष्ण यादव निवासी बचनपुर की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। जिसकी जानकारी होने पर मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय उनके घर पहुंचे। जहां उन्होंने मृत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।इस मौके पर प्रधान राजकुमार यादव, प्रदीप यादव, जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, जिला महासचिव मनोज तिवारी, आईसीसी सदस्य फिरोज खान, कांग्रेसी नेता लालपदमाकर सिंह, प्रवक्ता राजेश तिवारी, पी सी सी सदस्य राहुल त्रिपाठी, विधानसभा पूर्व प्रत्याशी निकलेश सरोज, पूर्व प्रत्याशी नगर पालिका वरूण मिश्रा, ब्लाक अध्यक्ष नन्दलाल मौर्य सहित कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

'सरकार बनने दो,आईएएस बनवा दूंगा...' सपा नेता ने महिला बैंककर्मी को किया मैसेज, चैट में और क्या-क्या?

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मथुरा में समाजवादी पार्टी के नेता डॉ. राजन रिजवी पर महिला बैंककर्मी को लगातार वाट्सऐप पर मैसेज भेजने और आपत्तिजनक तरीके से बातचीत करने के आरोप लगे हैं। महिला की शिकायत पर पुलिस ने राजन रिजवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बीच मामले से जुड़ी वाट्सऐप चैट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

महिला बैंककर्मी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी मुलाकात राजन रिजवी से बैंक से जुड़े काम के सिलसिले में हुई थी। आरोप है कि इसी दौरान राजन रिजवी ने उसका निजी मोबाइल नंबर हासिल कर लिया। इसके बाद उसे लगातार वाट्सऐप मैसेज भेजे जाने लगे।

महिला का कहना है कि इन संदेशों से वह असहज हुई और उसने राजन रिजवी का नंबर ब्लॉक कर दिया। आरोप है कि इसके बाद भी उसकी निजी जानकारी जुटाने और उसकी गतिविधियों पर नजर रखने की कोशिश की गई।

वायरल चैट में क्या लिखा है?

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही चैट में राजन रिजवी की ओर से महिला की तारीफ करते हुए उसे 'एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी महिला' और 'कंप्लीट वुमन' बताया गया है। उसकी खूबसूरती, व्यक्तित्व और काम की भी तारीफ की गई है।

चैट में लिखा है कि 'मेरे शब्दों से आपका दिल हर्ट हुआ है, तो आपसे मैं माफी मांगता हूं। वैसे मैंने कोई बात आपसे ऐसी नहीं कही, जो मर्यादा के खिलाफ हो। मैं आपकी बहुत इज्जत करता हूं, आप एक एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी महिला हैं। खूबसूरत होने के साथ आपकी सीरत बहुत अच्छी है। आप अपने काम में माहिर यानी आप एक कंप्लीट वुमन हैं।

चैट में आगे लिखा है कि मुझे आपकी पर्सनैलिटी पर यह आपकी जॉब अच्छी नहीं लगती। अगर भविष्य में कुछ राजनीति में आगे जाता हूं और सपा की सरकार बनती है, तो मैं आपको चीफ मिनिस्टर कोटे से डेपुटेशन के आधार पर आईएएस बनवाने की कोशिश करूंगा।

पार्टी ने नेता को किया निष्कासित

राजन रिजवी समाजवादी पार्टी की अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश महासचिव रह चुके हैं। चैट वायरल होने और मामला सामने आने के बाद पार्टी ने उन्हें निष्कासित कर दिया है। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने राजन रिजवी के खिलाफ आईटी एक्ट समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब शिकायत, कथित चैट और महिला की ओर से लगाए गए अन्य आरोपों की जांच कर रही है। हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल चैट की पुष्टि टीवी 9 नहीं करता है।

नंद बाबा दुग्ध विकास मिशन : गोरखपुर के 20 और किसान बनेंगे आत्मनिर्भर, देसी गाय पालन पर मिलेगा आधा खर्च

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। पशुपालन विभाग के नंद बाबा दुग्ध विकास मिशन योजना के अंतर्गत संचालित मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना में पिछले सत्र के 20 और लोगों को शामिल कर लिया गया है। ऐसे में अब लाभार्थियों की संख्या 26 हो गई है। इसमें से छह लोगों ने अपने खर्च पर योजना संचालित करने की सहमति प्रदान की है।

सत्र 2025-26 में मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना में शामिल होने के लिए 42 लोगों ने आवेदन किया था। ई लाटरी के माध्यम से छह लोगों का चयन किया गया। शेष लोगों को प्रतिक्षा सूची में रखा गया था। इसी जुलाई में शासन की ओर से प्रतीक्षारत लोगों को योजना में शामिल करते हुए लाभ देने के आदेश दिए गए।

अंतिम तिथि 12 सितंबर तक 20 लोगों ने बैंक के सहमति पत्र व निजी व्यवस्था से योजना में शामिल होने की औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। छह लोग अपनी निजी व्यवस्था से डेयरी के संचालन की सहमति दिए हैं। इस सत्र में अब योजना के कुल 26 लाभार्थी हो गए हैं।

> प्रदेश सरकार दुग्ध विकास को बढ़ावा देने में जुटी है। कृषि के साथ पशुपालन को जोड़ा जा रहा है। पिछले सत्र के प्रतीक्षा सूची के अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ देने का आदेश दिया गया था। निर्धारित तिथि तक 20 लोगों ने औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। उन्हें योजना में शामिल कर लिया गया है।
>
> - डा. धर्मेंद्र पांडेय, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

यह है योजना

मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना में देसी नस्ल की 10 गाय का पालन करना है। इसे प्रदेश के बाहर से लाना होता है। 23.60 लाख रुपये की योजना में सरकार की ओर से 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। शेष रकम लाभार्थी को स्वयं खर्च करना है। इतने रुपये की उसे बैंक गारंटी देनी होती है या अपने खाते में बैलेंस रखना पड़ता है। अनुदान की राशि दो किस्तों में दी जाती है।

गोवर्धन परिक्रमा में युवती पर जानलेवा हमला, दांत से नाक को किया जख्मी, नोजपिन लूट ले गया बदमाश

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा के गोवर्धन में गिरिराज महाराज की परिक्रमा कर रही एक श्रद्धालु युवती पर सोमवार दोपहर एक युवक ने अचानक हमला कर दिया। आरोपी ने पहले युवती को धक्का देकर जमीन पर गिराया और उसका गला दबाया। इसके बाद दांत से उसकी नाक काट दी और सोने की नोजपिन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद परिक्रमा मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई। पीड़िता मोनिका मुंबई की रहने वाली है और करीब छह महीने से गोवर्धन में रह रही है। वह रोजाना गिरिराज महाराज की परिक्रमा करती थी। सोमवार को वह बड़ी परिक्रमा मार्ग स्थित गिरिराज तलहटी के पास पहुंची थी। इसी दौरान करीब 25 वर्ष का एक युवक डंडा लेकर उसके पास आया और अचानक हमला कर दिया।

युवती के चेहरे और कपड़ों पर खून

पीड़िता के मुताबिक, युवक ने उसे धक्का देकर गिरा दिया और काफी देर तक उसका गला दबाए रखा। इसके बाद आरोपी ने उसके चेहरे पर हमला करते हुए दांत से उसकी नाक काट ली और सोने की नोजपिन निकालकर फरार हो गया। युवती का कहना है कि आरोपी ने उसे जान से मारने की कोशिश की। हमले में युवती के चेहरे और कपड़ों पर खून लग गया। वह मदद के लिए चीखने लगी।

CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस

युवती की आवाज सुनकर आसपास मौजूद श्रद्धालु मौके पर पहुंचे और युवती को संभाला। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और पीड़िता से घटना की जानकारी ली। घटना के बाद पुलिस ने बड़ी परिक्रमा मार्ग और आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी युवक की पहचान करने का प्रयास कर रही है, ताकि उसे जल्द गिरफ्तार किया जा सके। सीओ अनिल कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस आरोपी की पहचान और तलाश में जुटी है।

गोरखपुर में स्वास्थ्य सेवाओं के बदलाव का जिक्र, योगी बोले- माफिया और मच्छर की तरह इंसेफेलाइटिस भी हुआ समाप्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से तड़पते बच्चों और दम तोड़ते बचपन को देखकर हर जागरूक माता-पिता चिंतित रहता था, लेकिन अब यह चिंता समाप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि माफिया और मच्छर की तरह इंसेफेलाइटिस भी समाप्त हो गया है। आज हम नए युग में नए गोरखपुर और नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में दस-दस बेड की डायलिसिस इकाइयों की सुविधा शुरू की जा रही है।मुख्यमंत्री बुधवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गोरखपुर की ओर से संचालित चैरिटेबल ब्लड सेंटर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने फीता काटकर सेंटर का उद्घाटन किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं, उपकरणों तथा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र था। उस समय एक ही बेड पर चार-चार मरीज तक भर्ती रहते थे। तीसरी मंजिल पर इंसेफेलाइटिस वार्ड था, जहां पंखे, शौचालय और अन्य जरूरी सुविधाओं का भी अभाव था। उन्होंने कहा कि जो बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं अस्वस्थ स्थिति में था, वही आज सुपर स्पेशियलिटी सेंटर के साथ इंसेफेलाइटिस समेत विभिन्न गंभीर बीमारियों के उपचार का प्रमुख केंद्र बन चुका है।योगी ने कहा कि गोरखपुर में एम्स स्थापित हो चुका है। महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, बहराइच, गोंडा, अयोध्या और अंबेडकरनगर समेत विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज शुरू हो चुके हैं। प्रदेश में 75 जिले हैं, जबकि मेडिकल कॉलेजों की संख्या 85 हो गई है। दो एम्स भी संचालित हैं। एमबीबीएस की सीटें 4600 से बढ़कर 13500 से अधिक हो चुकी हैं और स्नातकोत्तर की सीटें दोगुनी हुई हैं। नर्सिंग और पैरामेडिकल शिक्षा का भी विस्तार किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय प्रदेश के प्रत्येक जिले की पहचान किसी न किसी दुर्दांत माफिया से जुड़ी हुई थी और डॉक्टर भी उनके शिकार बनते थे। गोरखपुर में डॉक्टरों का अपहरण, रंगदारी की मांग, धमकी भरे फोन और चिकित्सकों के कक्ष में घुसकर मारपीट जैसी घटनाएं होती थीं। इन घटनाओं के खिलाफ उन्हें चिकित्सकों के साथ सड़क पर आंदोलन करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर समेत पूरे प्रदेश में चिकित्सक, व्यापारी और आम नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अब प्रदेश की पहचान माफिया से नहीं, बल्कि 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' के लक्ष्य से बन रही है।रक्तदान के महत्व पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्याधुनिक ढांचा, तकनीक, दवाएं और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए जा सकते हैं, लेकिन खून बनाया नहीं जा सकता। रक्तदान संवेदना का प्रतीक है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति जरूरतमंद को नया जीवन देता है। उन्होंने कहा कि रक्त की मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती है। इसके लिए चिकित्सकों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति लोगों को प्रेरित करना चाहिए और समय-समय पर सामाजिक माध्यमों के जरिए रक्तदान की अपील तथा जागरूकता अभियान चलाने चाहिए।योगी ने पेशेवर रक्तदाताओं को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विभिन्न बीमारियों से ग्रसित पेशेवर रक्तदाताओं पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया गया तो संक्रमण का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। ऐसी गतिविधियों की जानकारी शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के साथ ही चिकित्सकों को जागरूकता कार्यक्रमों से भी जुड़ना चाहिए।मुख्यमंत्री ने आईएमए के सामाजिक सरोकारों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था केवल चिकित्सा व्यवसाय से जुड़े चिकित्सकों का संगठन नहीं है। गोरखपुर में निशुल्क ओपीडी के बाद चैरिटेबल ब्लड सेंटर की स्थापना कर आईएमए ने सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि वह अपनी विशेषज्ञता का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने में कितना योगदान देती है।उन्होंने बताया कि वर्ष 2017-18 में गोरखपुर के सीतापुर आई हॉस्पिटल में आईएमए ने निशुल्क ओपीडी शुरू की थी। इसके बाद आईएमए ने अपने कार्यालय के लिए भूमि मांगी तो गोरखपुर विकास प्राधिकरण के माध्यम से भूखंड उपलब्ध कराने में सहयोग किया गया। आईएमए ने इस भूखंड का बेहतर उपयोग करते हुए चैरिटेबल ब्लड सेंटर स्थापित किया है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश के जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने में योगदान देगा।मुख्यमंत्री ने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के सानिध्य में गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय की शुरुआत का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले 10 बेड से अस्पताल शुरू करने की चर्चा हुई थी, लेकिन गोरखपुर के चिकित्सकों के सहयोग से शुरुआत में ही इसे 100 बेड का अस्पताल बनाया गया। इस चिकित्सालय ने यह दिखाया कि सेवा और परोपकार के आधार पर अस्पताल, ब्लड बैंक तथा आईसीयू जैसी सुविधाओं का सफल संचालन किया जा सकता है। यहां रक्त के विभिन्न घटकों को अलग करने, एफेरेसिस और डायलिसिस जैसी सुविधाएं विकसित हुईं। उन्होंने कहा कि जिस डायलिसिस के लिए कभी लोगों को लखनऊ या बीएचयू जाना पड़ता था, आज गोरखपुर में गुणवत्तापूर्ण सुविधा उपलब्ध है। सरकार ने अब प्रदेश के जिला अस्पतालों में भी निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था शुरू करने का कार्य प्रारंभ कर दिया है।योगी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

पंचायत सहायकों के मानदेय में 50 फीसदी बढ़ोतरी, अब मिलेंगे नौ हजार रुपये

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों के मानदेय में तीन हजार रुपये प्रतिमाह की बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। अब पंचायत सहायकों को छह हजार रुपये के स्थान पर नौ हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। इस तरह उनके मानदेय में 50 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही पंचायत सहायकों को सेवा सुरक्षा, कैशलेस उपचार और महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।पंचायत सहायकों की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता के बाद पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पंचायत सहायकों के प्रतिनिधियों से बातचीत की। इसके बाद प्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रेस वार्ता कर पंचायत सहायकों के हित में लिए गए फैसलों की जानकारी दी गई।अभी पंचायत सहायकों को मानदेय राज्य वित्त आयोग की धनराशि से दिया जाता है। अब मंत्रिमंडल से स्वीकृति लेकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके बाद नौ हजार रुपये का मानदेय सीधे पंचायत सहायकों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। इसका लाभ प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को मिलेगा।पंचायत सहायकों की सेवा सुरक्षा को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। अब ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव अपने स्तर से किसी पंचायत सहायक को नहीं हटा सकेंगे। पंचायत सहायक को हटाने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी और इसी समिति के स्तर से हटाने का निर्णय लिया जा सकेगा।

गोलीकांड में तीन आरोपी गिरफ्तार, एक ने थाने पहुंचकर किया आत्मसमर्पण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ढेढेमऊ गांव स्थित दुर्गेश जनसेवा केंद्र के पास 11 सितंबर को समरेन्द्र कुमार यादव को गोली मारकर घायल करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपी अभय यादव उर्फ छोटू ने थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण किया, जबकि दो अन्य आरोपियों अंकुश यादव उर्फ मौत और कालाचीता उर्फ वैभव को पुलिस टीम ने मोहान रोड स्थित घोला तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आत्मसमर्पण करने वाले आरोपी के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।घटना के संबंध में नरेंद्र कुमार पुत्र उमा शंकर यादव निवासी सैफलपुर, थाना काकोरी की तहरीरी सूचना पर मलिहाबाद थाने में मुकदमा संख्या 175/2026 के तहत धारा 109(1) और 61(1) बीएनएस में मामला दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम आरोपियों की गिरफ्तारी और घटना में प्रयुक्त अवैध असलहे की बरामदगी के लिए लगातार तलाश, सुरागरसी और दबिश की कार्रवाई कर रही थी।इसी क्रम में मुकदमे में नामजद वांछित आरोपी अभय यादव उर्फ छोटू पुत्र निर्भय यादव उर्फ राज उर्फ निर्मेश निवासी तिलसुवा, थाना मलिहाबाद, उम्र करीब 19 वर्ष ने 15 सितंबर को मलिहाबाद थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। जामा तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का एक देशी तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इसके बाद मुकदमे में शस्त्र अधिनियम की धारा 9/25 की बढ़ोतरी की गई।वहीं विवेचना के दौरान प्रकाश में आए अंकुश यादव उर्फ मौत पुत्र ओमप्रकाश उर्फ नन्हू निवासी तिलसुवा, थाना मलिहाबाद, उम्र करीब 18 वर्ष और कालाचीता उर्फ वैभव पुत्र सुभाष रावत निवासी सैफलपुर, थाना काकोरी, मूल निवासी तिलसुवा, थाना मलिहाबाद, उम्र करीब 21 वर्ष को पुलिस टीम ने 15 सितंबर की रात करीब 10:30 बजे मोहान रोड स्थित घोला तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अंकुश और कालाचीता दोनों सुरक्षा गार्ड की नौकरी करते हैं, जबकि अभय घरेलू कामकाज के साथ आम के मौसम में आढ़त का काम करता है।पुलिस के मुताबिक इस मामले में 14 सितंबर को एक बाल अपचारी भी थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर चुका है। गिरफ्तार और आत्मसमर्पण करने वाले आरोपियों से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पूछताछ से प्राप्त तथ्यों के आधार पर घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश और घटना में प्रयुक्त अन्य अवैध असलहों की बरामदगी के लिए कार्रवाई जारी है।पुलिस ने बताया कि अभय यादव उर्फ छोटू के खिलाफ मलिहाबाद थाने में वर्ष 2025 और 2026 के दो अन्य मुकदमे भी दर्ज हैं।

संक्षेप

अवैध पिस्टल से गोली चलने से युवक की मौत

लखनऊ। महिपाल खेड़ा चौकी सरसवां क्षेत्र में मंगलवार देर रात अवैध पिस्टल से गोली चलने से 29 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यसार्थ शरण यादव शराब के नशे में था और घर पर अवैध पिस्टल से गोली चलने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई।पुलिस को 15/16 सितंबर की रात करीब 11 बजे घटना की सूचना मिली। प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि यसार्थ शरण कहीं से अवैध पिस्टल लेकर आया था और अपनी पत्नी को पिस्टल दिखा रहा था। इसी दौरान पिस्टल की मैगजीन नीचे गिर गई। पिस्टल में एक कारतूस फंसा रह गया था। इसके बाद उसने पिस्टल अपनी कनपटी से सटाकर ट्रिगर दबा दिया, जिससे गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया।परिजन उसे तत्काल हजरतगंज स्थित सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। सूचना के बाद फॉरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस ने घटनास्थल से अवैध पिस्टल और एक खोखा कारतूस कब्जे में लेकर सुरक्षित कर लिया है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम समेत अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया। मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

होटल की पांचवीं मंजिल से गिरकर कर्मचारी की मौत

लखनऊ। हुसैनगंज थाना क्षेत्र में चारबाग स्थित होटल बालाजी ग्रैंड की पांचवीं मंजिल की छत से गिरकर होटल कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रणव विश्वास पुत्र पंचानन विश्वास के रूप में हुई है। वह उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जनपद का निवासी था और होटल में कार्यरत था।पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह करीब 10 बजे होटल की पांचवीं मंजिल की छत से कर्मचारी के गिरने की सूचना मिली। सूचना पर स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। इसके बाद फील्ड यूनिट को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए होटल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 17 सितंबर की शाम सात बजे दीये जलाने की अपील

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के अवसर पर प्रदेशवासियों से अपने घरों और प्रतिष्ठानों में दीये प्रज्वलित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह जन्मदिन उनके सार्वजनिक जीवन और लोकसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आ रहा है।ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र निर्माण, सुशासन, गरीब कल्याण और प्रत्येक देशवासी के जीवन में खुशहाली लाने के लिए समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री निरंतर देश के 140 करोड़ नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं।ऊर्जा मंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि 17 सितंबर की शाम सात बजे अपने-अपने घरों और प्रतिष्ठानों में दीये प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना करें।

विद्युत निगम की क्रिकेट टीम के लिए 20 सितंबर को खिलाड़ियों का चयन

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन 20 सितंबर को किया जाएगा। इसके लिए निगम के विभिन्न क्षेत्रों के इच्छुक अधिकारी और कर्मचारी खिलाड़ियों को चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।निगम की ओर से जारी पत्र के अनुसार क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का चयन 20 सितंबर को सुबह नौ बजे से गोमतीनगर स्थित सेज क्रिकेट ग्राउंड में होगा। यह चयन उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के क्रीड़ा प्रकोष्ठ की ओर से जारी निर्देशों के क्रम में किया जा रहा है।मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अधीन आने वाले अमौसी, लखनऊ सेंट्रल, जानकीपुरम, गोमतीनगर, रायबरेली, सीतापुर, बरेली प्रथम एवं द्वितीय, अयोध्या तथा देवीपाटन क्षेत्रों के इच्छुक अधिकारी और कर्मचारी खिलाड़ियों को निर्धारित समय पर चयन स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।चयन के लिए अधीक्षण अभियंता, विद्युत वितरण मंडल बाराबंकी भविष्य कुमार सक्सेना और कार्यकारी सहायक, विद्युत परीक्षण खंड बाराबंकी प्रदीप वर्मा को चयनकर्ता नामित किया गया है। इच्छुक खिलाड़ियों से समय पर उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की गई है।

विद्युत निगम की क्रिकेट टीम के लिए 20 सितंबर को खिलाड़ियों का चयन

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन 20 सितंबर को किया जाएगा। इसके लिए निगम के विभिन्न क्षेत्रों के इच्छुक अधिकारी और कर्मचारी खिलाड़ियों को चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।निगम की ओर से जारी पत्र के अनुसार क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का चयन 20 सितंबर को सुबह नौ बजे से गोमतीनगर स्थित सेज क्रिकेट ग्राउंड में होगा। यह चयन उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के क्रीड़ा प्रकोष्ठ की ओर से जारी निर्देशों के क्रम में किया जा रहा है।मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अधीन आने वाले अमौसी, लखनऊ सेंट्रल, जानकीपुरम, गोमतीनगर, रायबरेली, सीतापुर, बरेली प्रथम एवं द्वितीय, अयोध्या तथा देवीपाटन क्षेत्रों के इच्छुक अधिकारी और कर्मचारी खिलाड़ियों को निर्धारित समय पर चयन स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।चयन के लिए अधीक्षण अभियंता, विद्युत वितरण मंडल बाराबंकी भविष्य कुमार सक्सेना और कार्यकारी सहायक, विद्युत परीक्षण खंड बाराबंकी प्रदीप वर्मा को चयनकर्ता नामित किया गया है। इच्छुक खिलाड़ियों से समय पर उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की गई है।

अंतर्राज्यीय अवैध असलहा तस्करी गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल और गोरखपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अंतर्राज्यीय स्तर पर अवैध असलहों की तस्करी करने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के संबंध गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा गिरोह से बताए जा रहे हैं। आरोपियों पर उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में आपराधिक घटनाओं के लिए अवैध शस्त्रों की आपूर्ति किए जाने का आरोप है। अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि संयुक्त कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ और जांच में अवैध असलहों की तस्करी से जुड़े नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक जांच में गिरोह द्वारा दूसरे राज्यों में भी अवैध शस्त्रों की आपूर्ति किए जाने की जानकारी मिली है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, हथियारों की आपूर्ति के स्रोत और आपराधिक घटनाओं में इनकी भूमिका की जांच कर रही है।

बीबीएयू में भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक कल्याण पर राज्य स्तरीय विमर्श

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के समग्र विकास, भारतीय ज्ञान प्रणाली और मानसिक कल्याण को लेकर दो दिवसीय राज्य स्तरीय विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के मनोदर्पण प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश लखनऊ समग्र शिक्षा माध्यमिक के संयुक्त शिक्षा निदेशक विवेक नौटियाल, मनोदर्पण प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. विनोद कुमार शनवाल और नोडल सेंटर के समन्वयक डॉ. अर्पित शैलेश मौजूद रहे। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के शैक्षिक मनोविज्ञान एवं शिक्षा के आधार विभाग के प्रमुख प्रो. प्रभात कुमार मिश्रा ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से अतिथियों और शिक्षकों को पौधा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद प्रो. प्रभात कुमार मिश्रा ने कार्यक्रम से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की और प्रमुख बिंदुओं, निष्कर्षों तथा महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी दी।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने भारतीय और पाश्चात्य दर्शन के बीच तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करते हुए दोनों की जीवन-दृष्टि और प्रकृति के प्रति दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन में संसाधनों के विवेकपूर्ण एवं संतुलित उपयोग तथा प्रकृति के साथ सामंजस्य पर बल दिया गया है, जबकि आधुनिक पाश्चात्य उपभोक्तावादी प्रवृत्तियों ने संसाधनों के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में व्यक्ति, समाज, सभ्यता, प्रकृति और पर्यावरण को एक-दूसरे से जुड़ा हुआ माना गया है।प्रो. मित्तल ने भारत के समृद्ध प्राचीन इतिहास और ज्ञान-विज्ञान की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन काल में भारत वैश्विक व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय और कुटीर उद्योगों की मजबूत परंपरा रही है। उन्होंने शिक्षकों से भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत को विद्यार्थियों तक पहुंचाने और उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का आह्वान किया।कुलपति ने भारतीय ज्ञान प्रणाली में वर्णित पंचकोश की अवधारणा पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अन्नमय कोश, प्राणमय कोश, मनोमय कोश, विज्ञानमय कोश और आनंदमय कोश के माध्यम से व्यक्ति के शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक और आनंदमय विकास की समग्र अवधारणा को समझाया।

बंथरा और कृष्णानगर के दो दबंग छह माह के लिए जिला बदर

लखनऊ। राजधानी में लोक शांति व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था की अदालत ने उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम-1970 के तहत बंथरा और कृष्णानगर थाना क्षेत्र के दो आरोपियों को गुंडा घोषित करते हुए छह-छह माह के लिए लखनऊ की सीमा से निष्कासित कर दिया है।न्यायालय में अधिनियम की धारा-3 के तहत हुई कार्रवाई के बाद बंथरा थाना क्षेत्र के कस्बा बंथरा में हनुमान मंदिर के निकट रहने वाले करीब 33 वर्षीय आदित्य द्विवेदी पुत्र कृष्ण कुमार द्विवेदी को छह माह के लिए जिला बदर किया गया है। इसी तरह कृष्णानगर थाना क्षेत्र के पूरन नगर सरदारीखेड़ा निवासी करीब 32 वर्षीय सूरज कुमार वर्मा पुत्र रामनाथ लोधी उर्फ रामनाथ वर्मा को भी छह माह के लिए लखनऊ की सीमा से निष्कासित किया गया है।

लखनऊ-कानपुर के बाद अब सभी 75 जिलों में पहुंचेगा भारत टैक्सी मॉडल, गांवों तक मिलेगी बाइक-ऑटो-कैब सुविधा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेशवासियों की यात्रा सुविधा को विस्तार देने की दिशा में योगी सरकार लखनऊ-कानपुर में संचालित 'भारत टैक्सी' मॉडल को अब प्रदेश के सभी 75 जिलों तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। इस सहकारी टैक्सी मॉडल के तहत बाइक, ऑटो और कैब तीनों तरह की परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। खास बात यह होगी कि यात्रियों को बिना अतिरिक्त कमीशन और मांग बढ़ने पर किराये में अचानक वृद्धि से मुक्त विकल्प देने के साथ ही वाहन चालकों को कारोबार में हिस्सेदार बनाने की अवधारणा पर काम किया जा रहा है। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के माध्यम से इस व्यवस्था को शहरों से गांवों तक पहुंचाने की योजना है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 'भारत टैक्सी' मॉडल को प्रदेशव्यापी स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है। इसका उद्देश्य राजधानी और बड़े शहरों तक सीमित परिवहन सुविधा को जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना है। इससे जिले के भीतर तथा एक जिले से दूसरे जिले तक यात्रा करने वाले लोगों को रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, हवाई अड्डे, अस्पताल, बाजार और अन्य जरूरी स्थानों तक पहुंचने के लिए स्थानीय परिवहन का एक संगठित विकल्प उपलब्ध हो सकेगा।लखनऊ से शुरू हुए इस मॉडल को सभी 75 जिलों तक ले जाने का मतलब टैक्सी सेवा का विस्तार केवल जिला मुख्यालयों तक सीमित रखना नहीं होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों को भी इससे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के नेटवर्क के माध्यम से गांवों में भी परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अस्पताल, बाजार, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे या जिला मुख्यालय तक आने-जाने के लिए स्थानीय स्तर पर बाइक, ऑटो और कैब जैसी सेवाओं का विकल्प मिल सकेगा।

भारत टैक्सी मॉडल में यात्रियों के लिए नो-सर्ज प्राइसिंग की व्यवस्था प्रस्तावित है। आमतौर पर यात्रा की मांग बढ़ने पर किराये में अचानक वृद्धि हो जाती है, लेकिन इस मॉडल में पीक समय के दौरान किराये में इस तरह की बढ़ोतरी से अलग विकल्प उपलब्ध कराने पर जोर है। इससे जरूरी काम से भीड़भाड़ वाले समय में यात्रा करने वाले लोगों को किराये में अचानक उछाल से राहत मिल सकती है और यात्रा खर्च को लेकर अधिक पारदर्शिता कायम करने का प्रयास होगा।इस मॉडल में वाहन चालकों को भी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की अवधारणा है। जीरो कमीशन व्यवस्था के तहत प्रति यात्रा चालक की कमाई से प्लेटफार्म कमीशन काटने के बजाय सहकारी व्यवस्था के माध्यम से उसे कारोबार से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इससे चालक केवल सेवा प्रदाता की भूमिका तक सीमित न रहकर कारोबार में हिस्सेदार बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। मजबूत चालक नेटवर्क से यात्रियों के लिए सेवा की उपलब्धता और निरंतरता बढ़ाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वरोजगार के अवसर विकसित करना भी है। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के माध्यम से परिवहन व्यवस्था को गांवों से जोड़ने पर स्थानीय स्तर पर वाहन संचालन से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इस तरह 'भारत टैक्सी' मॉडल को शहरों के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय परिवहन जरूरतों से जोड़ने की तैयारी है।प्रस्तावित विस्तार में यात्रियों और चालकों दोनों को ध्यान में रखा गया है। यात्रियों के लिए बिना अतिरिक्त कमीशन और नो-सर्ज प्राइसिंग वाला परिवहन विकल्प उपलब्ध कराने की योजना है, जबकि चालकों को सहकारी व्यवस्था में हिस्सेदारी देने पर जोर है। लखनऊ-कानपुर से शुरू हुए मॉडल को प्रदेश के सभी 75 जिलों और गांवों तक पहुंचाने के बाद राजधानी से लेकर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्थानीय परिवहन सुविधा का दायरा बढ़ाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा।

राजीव से राहुल तक का सफर भी कम गौरतलब नहीं

ढेरों प्रमाण हैं। तारीखों और घटनाओं का वह अंतहीन सिलसिला है जिससे मेरा निष्कर्ष है कि भारत के कम्युनिस्टों ने न केवल देश का समय बिगाड़ा। खुद के अवसर भी गंवाए। लेफ्ट के खाते में राजनीतिक बरबादियां लगातार दर्ज कराईं। बावजूद इसके मेरे मन में कम्युनिस्ट नेताओं के चाल, चेहरे और चरित्र की कसौटी में सम्मान है। खासकर आज सत्ता में संघ-भाजपाइयों के चाल, चेहरे और चरित्र को देखते हुए तो और भी अधिक। उस नाते ई. एम. एस. नंबूदरीपाद, ज्योति बसु, इंद्रजीत गुप्त से माणिक सरकार, पिनराई विजयन और वाम संगठनों के प्रकाश करात, सीताराम येचुरी, दीपांकर भट्टाचार्य तक—इन लोगों की निजी सादगी, सहजता और वैचारिक प्रतिबद्धता का जितना सम्मान किया जाए, कम है।

मगर व्यक्ति की ईमानदारी से विचार और उसके परिणाम सही साबित नहीं होते।

भारतीय कम्युनिस्टों का विरोधाभास यही है। निजी जीवन में जितने सादे और प्रतिबद्ध, भारत को पढ़ने में उतनी ही बार गड़बड़। स्वतंत्रता के बाद कम्युनिस्टों ने आजादी को अधूरा माना। कांग्रेस को बुर्जुआ सत्ता कहा। नेहरू को कभी वर्ग-शत्रु की राजनीति में पढ़ा और कभी उन्हीं के आसपास घेरेबंदी से उन पर वैचारिक प्रभाव बनाया। नेहरू के आखिरी सालों में कृष्ण मेनन और चीन से भारत की हार का ठीकरा भी फूटा। चीन के सवाल पर ही कम्युनिस्ट विभाजित हुए। दो पार्टियां बनीं। इंदिरा गांधी के दौर में सीपीआई उनके साथ थी। उसका आपातकाल को समर्थन रहा। फिर जनता पार्टी, वी. पी. सिंह, संयुक्त मोर्चा और यूपीए—दिल्ली में सत्ता के गठजोड़ बने तब भी वामपंथी चेहरों, पार्टियों का सरकारों, राष्ट्रीय नैरेटिव और मीडिया में हल्ला रहा।

लेकिन एक बात, एक वास्तविकता हमेशा कायम रही। केंद्र सरकार की सत्ता के आसपास विचार, बौद्धिकता और विमर्श की दुनिया में वाम की हैसियत उसकी असल जन हैसियत, पाए गए लेफ्ट वोटों से अक्सर कई गुना बड़ी रही। सोचें, कृष्ण मेनन के प्रभाव और 1962 के अनुभव यानी लेफ्ट से नेहरू ने क्या पाया? कांग्रेस के 1969 के विभाजन के बाद वाम समर्थन और वाम-प्रगतिशील बौद्धिक प्रभाव की ओर बढ़ीं इंदिरा गांधी अंततः कहां पहुंचीं? बैंक राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स, गरीबी हटाओ, सरकारी उद्योगों-उद्यमों, लाइसेंस-कोटा से कांग्रेस और भारत ने क्या पाया? लगातार फैलते सरकारी दायरे में उलटे कांग्रेस अपनी पुरानी मध्यमार्गी अर्थनीति से लेफ्ट की ओर खिसकती गई। तात्कालिक फायदे की राजनीति में भले इंदिरा को गरीबों की मसीहा की इमेज मिली। कांग्रेस का नया सामाजिक आधार बना। मगर उसी के साथ सरकार अर्थव्यवस्था और नागरिक जीवन की सर्वशक्तिमान माई-बाप बनती गई।

ऐसे ही इंदिरा गांधी के समय विश्वविद्यालयों, इतिहास, संस्कृति, अकादमिक संस्थानों, मीडिया और दिल्ली के नीति-विमर्श में लेफ्ट का नया प्रगतिशील प्रतिष्ठान बना। सही है, उसमें बैठे सभी लोग कम्युनिस्ट नहीं थे। लेकिन आधुनिक, वैज्ञानिक और प्रगतिशील कहलाने की खास भाषा जरूर सभी चेहरों-मठाधीशों—शिक्षा मंत्री, उपकुलपतियों, कला-साहित्य-संस्कृति आदि क्षेत्रों में—की थी। उस भाषा, उस सोच में धर्म को सार्वजनिक जीवन में लेकर चलने वाला हिंदू आसानी से रूढ़िवादी करार दिया जाता। जबकि धार्मिक अल्पसंख्यक की सामुदायिक पहचान की रक्षा सेकुलर राज्य का दायित्व। जाति पर बात करना प्रगतिशीलता, वहीं सनातनी धर्म और सभ्यता पर बात करते हुए सफाई देती हुई झिझक। इसलिए 'लेफ्ट का अर्थ, उसके जुगालीबाजों का दायरा बहुत विस्तृत रहा है। बात केवल सीपीआई, सीपीएम या सीपीआई-एमएल का पार्टी कार्ड रखने वालों की ही नहीं है। समाजवादी कम्युनिस्ट नहीं थे। लोहियावादी और मार्क्सवादी एक नहीं थे। आंबेडकरवादी भी कम्युनिस्ट नहीं। एनजीओ एक्टिविस्ट और अधिकारवादी नागरिक समाज को भी कम्युनिस्ट कहना गलत होगा। इन सबके आपसी झगड़े और वैचारिक फर्क गहरे हैं। लेकिन समय के साथ लुटियंस दिल्ली में इन धाराओं के मेल से एक व्यापक वाम-प्रगतिशील सत्ता-बौद्धिक मानस की दबंगी बनी। समाज को वर्ग, जाति, लिंग, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक और उत्पीड़क-उत्पीड़ित के खांचों से देखने की प्रवृत्ति पूरे देश में पसरती गई। यही मेरे 'लेफ्ट के आशय का व्यापक वैचारिक खमीर है। मगर कमाल या त्रासदी देखिए। लेफ्ट का रौब, हल्ला जैसे-जैसे बढ़ा, वैसे-वैसे कम्युनिस्टों, वामपंथियों, समाजवादियों की चुनावी और वैचारिक हैसियत जीरो होती गई। वोट में सिकुड़ते गए, लेकिन उनकी बनाई भाषा, जुमलों के फतवे बढ़ते गए। एक वक्त था जब संसद में दर्जनों सांसद थे। संसद में कांग्रेस के बाद सीपीआई नंबर दो की पार्टी! बंगाल, केरल, त्रिपुरा में सरकारें। ट्रेड यूनियनों में दबदबा। विश्वविद्यालयों में प्रभाव। संगठित कम्युनिस्ट आंदोलन कभी राष्ट्रीय राजनीति की बड़ी शक्ति था। पश्चिम बंगाल में चौंतीस साल सरकार थी।

तो अब शुभेंदु करेंगे गरबा मर्यादा की भी रक्षा?

अब सब हैं कि सेक्युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए

तरुण विजय

जिस प्रकार शुद्ध हिंदू उत्सव गरबा में गैर हिंदुओं को शामिल करने की विकृत सेकुलर आवाजें उठने लगीं हैं उनको देखते हुए लगता है कि मुख्यतः गुजरात और महाराष्ट्र में होने वाले गरबा उत्सवों की मर्यादा रक्षा के लिए तेजस्वी हिंदू ध्वज वाहक एवं पश्चिम बंगाल के महानायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सहायता मांगने का समय आ गया है .अब सब हैं कि सेक्युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए। गरबा शक्ति की उपासना से जुड़ा पारंपरिक हिंदू पूजा-स्वरूप है। यह धनकुबेरों और हिंदू-भावना विहीन भीड़ के लिए मस्ती-मस्ती का कार्निवल नहीं है। गरबा कोई सेक्युलर मनोरंजन "मेला" नहीं है। यह माँ अम्बा की भक्ति का हिंदू प्रतीक है। जो माँ दुर्गा की पूजा नहीं करते, जो उनके सामने शीश नहीं झुकाते, उनको गरबा में शामिल होने का कोई अधिकार नहीं। इसका मूल रूप और अर्थ हिंदू ब्रह्मांड-दृष्टि, प्रतीकों और दिव्य स्त्री-शक्ति की साधना से आता है।

"गरबा" शब्द संस्कृत शब्द "गर्भ" से निकला है। पारंपरिक रूप में नर्तक एक घेरे में गर्भ दीप—छेदों वाले मिट्टी के घड़े में जलते दीये—या देवी की मूर्ति के चारों ओर नृत्य अभ्यर्थना करते हैं। दीपक जीवन-शक्ति, शरीर के भीतर दिव्य उपस्थिति और देवी की सृजन-शक्ति का प्रतीक है। वृत्ताकार गति हिंदू चिंतन में काल के चक्र—सृष्टि, स्थिति और प्रलय—को दर्शाती है।

गरबा शरद नवरात्रि में होता है, अर्थात दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित नौ रातों में। यह पर्व महिषासुर पर दुर्गा की विजय का स्मरण है, जैसा देवी माहात्म्य (मार्कंडेय पुराण) में वर्णित है। भक्त माँ की स्तुति के गीत (गर्बी) गाते हैं, ताली देते हैं और नृत्य को पूजा तथा कृतज्ञता का माध्यम बनाते हैं। पारंपरिक माहौल में स्थान पवित्र माना जाता है: प्रायः नंगे पाँव नाचते हैं, आरती होती है, और केंद्र में दीपक या मूर्ति ही मुख्य रहती है।

नवरात्रि व्रत माँ भगवती की भक्ति का चिह्न है। गरबा और डांडिया रास (जहाँ डंडे देवी के आयुधों के प्रतीक हैं) गुजरात में इसी भक्ति की सामाजिक अभिव्यक्ति बने।

लोक-नृत्य के रूप में यह शादियों और अन्य अवसरों पर भी होता रहा है, पर इसका सबसे विस्तृत और मुख्य संदर्भ दुर्गा-पूजा का नवरात्रि चक्र ही है। क्योंकि यह रूप देवी और उनके प्रतीकों के इर्द-गिर्द बुना गया है, पारंपरिक हिंदू साधक और संगठन इसे श्रद्धा का कर्म मानते हैं, सेक्युलर-गैरहिंदू मनोरंजन नहीं। जो दुर्गा को दिव्य माता नहीं मानते, मूर्ति-पूजा और धार्मिक विश्वास को अस्वीकार करते हैं, वे इस अनुष्ठान के उद्देश्य से बाहर हैं। गरबा को सिर्फ "फन मेला" कहना उसे उसके धर्मिक अर्थ से काट देता है और पूजा-भक्ति को तमाशा बना देता है। अन्य धर्मों के अनुष्ठानों से तुलना स्वाभाविक है। ईद की नमाज़ इस्लामी मज़हब के अनुसार निर्धारित है। गैर-मुसलमानों से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे औपचारिक नमाज़ में मजहबी कर्तव्य के रूप में शामिल हों; वह स्थान और स्वरूप उन लोगों का है जो उस आस्था को स्वीकार करते हैं। अनेक परंपराओं में मूल उपासना-कर्म की सीमाएँ ऐसी ही हैं। नवरात्रि में गर्भ दीप या दुर्गा की मूर्ति के चारों ओर होने वाला गरबा उसी श्रेणी का आस्था-विशिष्ट कर्म है, राज्य द्वारा थोपा गया खुला सांस्कृतिक मेला नहीं। आज कई स्थानों पर गरबा अत्यधिक व्यावसायिक हो चुका है और हिंदू-भावना विहीन इवेंट मैनेजरों के हाथों विकृत हो रहा है। समय आ गया है कि अंगद समान हिंदू आस्था और मर्यादा का पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए।

यूनेस्को ने 2023 में गरबा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। उसमें इसके हिंदू सामाजिक स्वरूप और शक्ति/स्त्री-ऊर्जा के वृत्त को बनाए रखते हुए लोगों को जोड़ने की क्षमता का उल्लेख है। विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों का कहना सही है कि यह देवी-पूजा का रूप है, इसलिए प्रवेश उन्हीं का हो जो इस आस्था को साझा करते हैं। गरबा स्थलों पर प्रवेश नियंत्रण और पहचान जाँच की माँग इसीलिए है।

मिश्रित आयोजनों में तनाव, हिंदू लड़कियों को निशाना बनाने, अपमान और उत्पीड़न की घटनाएँ सामने आई हैं। गैर-हिंदुओं द्वारा हिंदू देवताओं का मज़ाक उड़ाने और "गरबा के बहाने हिंदू लड़कियों को छेड़ने" की खबरें भी आती रही हैं। हिंदुओं को समावेशिता का पाठ पढ़ाने की ज़रूरत नहीं। भारत का संविधान हिंदू-बहुल समाज में बना। यह कानून के समक्ष समानता, धर्म की स्वतंत्रता और प्रत्येक समुदाय को अपने धार्मिक कार्यों के प्रबंधन का अधिकार देता है। भारतीय संविधान हिंदू समावेशिता की अभिव्यक्ति है। गरबा सनातन धर्म की मर्यादा से बँधा है। हिंदू अपनी संवेदनाओं के अनुरूप प्रवेश की शर्तें रख सकते हैं। मंदिर, मठ और पारंपरिक संप्रदाय पहले से कुछ अनुष्ठान-स्थानों पर मर्यादा के अनुसार प्रवेश नियंत्रित करते हैं। दुर्गा-पूजा पर आधारित सामुदायिक गरबा पर भी वही तर्क लागू होना चाहिए।

अब साधु-संन्यासियों और पारंपरिक हिंदू स्वरों से अपील करनी चाहिए कि वे विशिष्ट हिंदू रूपों की मर्यादा स्पष्ट करें और उसकी रक्षा करें। ये माँगें धार्मिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अनुकूल हैं। शास्त्रीय नवरात्रि रूप में गरबा दुर्गा भगवती—माता और शक्ति के स्वरूप—के प्रति भक्ति का हिंदू अनुष्ठान है। गर्भ-दीप, वृत्ताकार गति, स्तुति-गीत तटस्थ मनोरंजन नहीं हैं। जो यह विश्वास नहीं रखते, वे इसके धार्मिक उद्देश्य से बाहर हैं, जैसे गैर-मुसलमान ईद की औपचारिक नमाज़ की संरचना से बाहर हैं।

अनुष्ठान के पारंपरिक स्वरूप की रक्षा का अर्थ यह नहीं कि नृत्य की व्यापक लोकप्रियता से इनकार किया जाए। अर्थ यह है कि पूजा-केंद्रित कर्म अपने आप खुली सेक्युलर पार्टी नहीं बन जाता। जो आयोजक इसे उपासना मानते हैं, उन्हें भागीदारी का ढाँचा उसी के अनुसार रखने का अधिकार है।

व्यंग्य

बांग्लादेश की सामरिक दिशा के ठोस संकेत

पाकिस्तान की मुख्य भूमिका वाले समझौतों से जुड़ने की इच्छा और चीनी हथियार प्रणालियों को खरीदने का फैसला बांग्लादेश की नई सामरिक दिशा के ठोस संकेत हैं। भारत को इससे उचित संदेश ग्रहण करना चाहिए।

बांग्लादेश ने पुष्टि कर दी है कि वह चीन में बने 4.5वीं पीढ़ी के जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने जा रहा है। इसके अलावा वह चीनी लड़ाकू हेलीकॉप्टर, वीआईपी ट्रांसपोर्ट हेलीकॉप्टर, और ड्रोन्स की खरीदारी भी करेगा। इसका अर्थ है कि अब बांग्लादेश चीन अस्त्र प्रणाली का हिस्सा बनने जा रहा है। इस फैसले का औचित्य बताते हुए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सूचना एवं प्रसारण सलाहकार जियाउर रहमान ने जो कहा, उस पर भारत को अवश्य ध्यान देना चाहिए। रहमान ने कहा कि पिछले साल मई में भारत और पाकिस्तान की लड़ाई के दौरान खबर मिली कि पाकिस्तान ने जे-10सीई के जरिए भारत के राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराया। उसे ध्यान में रखते हुए ही बांग्लादेश ने उन विमानों को खरीदने का फैसला किया है।

कुछ ही रोज पहले बांग्लादेश ने मक्का सुरक्षा समझौते में शामिल होने की इच्छा जताई। हालांकि इस समझौते में शामिल देशों से बांग्लादेश को कोई न्योता नहीं मिला है, मगर संसद में विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा कि अगर आमंत्रण मिलता है, तो उस पर बांग्लादेश सकारात्मक नजरिए से विचार करेगा। मक्का समझौता पाकिस्तान, सऊदी अरब, और तुर्किये के बीच हुआ है। ईरान युद्ध से पश्चिम एशिया में बदली सामरिक स्थितियों के बीच उस क्षेत्र में नई उभरती सुरक्षा व्यवस्था में पाकिस्तान की भूमिका ठोस ढंग से बढ़ रही है।

बीते हफ्ते कुवैत ने भी अपनी सेना को प्रशिक्षित करने, खुफिया जानकारी साझा करने, तथा रक्षा तकनीक और सीमा प्रबंधन में सहयोग के लिए पाकिस्तान से नया सैन्य समझौता किया। पाकिस्तान से अपनी सुरक्षा व्यवस्थाओं को जोड़ने के खाड़ी देशों की ताजा सोच के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। एक तो पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं, और दूसरा उसकी तीन चौथाई हथियार प्रणालियां का चीनी सिस्टम से जुड़ी हुई हैं। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश के पाकिस्तान से आम संबंध गहरे हुए हैं। इसी बीच पाकिस्तान की मुख्य भूमिका वाले समझौतों से जुड़ने की इच्छा और चीनी हथियार प्रणालियों को खरीदने का फैसला उसकी सामरिक दिशा के ठोस संकेत हैं। भारत को इससे उचित संदेश ग्रहण करना चाहिए।

ब्लॉग

देसी राज की शिक्षा ने मतिहीन नेता बनाए

शंकर शरण

हिन्दू ग्रंथों की निन्दा करने वाले उसे शायद ही पढ़ते हैं। मनुस्मृति के राज्य-शासन संबंधी तीनों अध्याय गंभीर ज्ञान-भंडार हैं। अधिकांश आज भी मूल्यवान। तब सोचें, तीन हजार वर्ष पहले इतना गहन चिंतन विश्व में कहाँ था! तब यहाँ ऐसे शास्त्र रचे गए, जिन की बातें आज भी चमत्कृत करती है। ज निंदक लोग केवल सुनी-सुनाई पर चलते हैं कि उस में 'शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है। वस्तुतः मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है।.. स्वामी दयानन्द सरस्वती ने मनुस्मृति को अपने समाज-सुधार का आधार बनाया था। यदि मनुस्मृति जातिवादी या स्त्री-विरोधी होती, तो वे संपूर्ण भारत में इतना बड़ा आधुनिक, व्यापक प्रभावशाली सुधार आंदोलन चलाने में कैसे सफल हुए होते?

प्रायः लगता है, कि अंग्रेजों ने इस देश को अधिक सहानुभूति से समझा था। लोगों की ही नहीं, अपितु यहाँ के ज्ञान, इतिहास, विरासत, धर्म और संस्कृति के प्रति भी सच्ची देख-भाल की प्रवृत्ति उन में थी। यह बात एकबारगी विचित्र लगे, किंतु ठोस पैमानों पर — सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यवहारिक — परखने से सोचने पर विवश होना पड़ेगा।

शिक्षा का उदाहरण लें। अंग्रेजों ने यहाँ अपने बनाए स्कूलों, कॉलेजों में यूरोप के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान से भारतीय बच्चों, युवाओं को शिक्षित किया। साहित्य और दर्शन में महान भारतीय रचनाओं को भी वही स्थान दिया। यह पुराने पुस्तकालयों में रखी उस जमाने की पाठ्य सामग्रियों तथा उस युगीन हमारे विद्वानों के लेखन के माध्यम से भी जाना जा सकता है।

पर देशी राज की शिक्षा ने क्या किया? इस ने जल्द ही शिक्षा का राजनीतिकरण, मतवादीकरण कर दिया!

पूरे ब्रिटिश राज में शायद ही स्कूलों में कभी ब्रिटिश सम्राटों या वायसरायों की विरुदावली रटाने, फैलाने का काम हुआ। देशी राज में अपने चालू नेताओं को दैवी, ज्ञानी, चिंतक, विश्वनेता, आदि बताना नीचे से ऊपर सभी कक्षाओं में एक सामान्य तत्व बन गया। यह प्रवृत्ति शिक्षा के विरुद्ध कुशिक्षा को प्रश्रय देना था। अनजाने होने से उस की हानि कम नहीं हुई! बल्कि फिर उस का प्रतिफलन, विस्तार, आदि अन्य क्षेत्रों में भी होना ही था।

जैसे, शिक्षा में सच्चे सिद्धांत पढ़ने के बजाए वैसे मतवादों, विचार पढ़ाना जो उन नेताओं को पसंद थे। या जो उन की अपनी झक थी। तदनुसार, विद्वानों के बदले उन भक्तों और रट्टू तोतों को आचार्य, अध्यापक, संचालक बनाना जो उन मतवादों का प्रचार करें। इसी तरह, फिर शोध के नाम पर उन्हीं बातो, आग्रहों, दुराग्रहों की पुष्टि कराने वाले विचार को शोध-विषय बनाकर शुद्ध प्रोपेगंडा को शोध, ज्ञान, शिक्षा, और उच्च-शिक्षा का नाम दे देना।

उक्त सभी प्रवृत्तियों को आज विकराल व दयनीय रूप में चारो तरफ देख सकते हैं। बीमारी इतनी व्यापक हो चुकी, कि बीमारी नहीं लगती! मानो जहाँ सभी अंधे हों, वहाँ अंधकार और प्रकाश में नामालूम अंतर रहता है। सो, सचमुच ज्ञान की बातें, ज्ञान पुस्तकें, और सच्चे शिक्षक आज के शैक्षिक बौद्धिक वातावरण में नक्कू हैं। उन के लिए कहीं स्थान नहीं। यह भी सरसरी अवलोकन से देखा जा सकता है।

वर्तमान मुहावरे में कहें, तो 'जेनरल कैटेगरी के प्रतिभाशाली विद्यार्थी या अध्यापक विदेशों में जगह ढूँढने के लिए अभिशप्त हैं। देश में उन के लिए कोई चिन्ता करने वाला नहीं! इस प्रकार, देसी राज को ज्ञान, प्रतिभा, योग्यता, कुशलता तथा इस से होने वाले लाभ, और इन की अनुपस्थिति में होने वाली हानि — दोनों में से किसी का बोध तक नही है!

तुलना कीजिए, ब्रिटिश राज की तमाम छात्रवृत्तियों, सम्मानों, प्रोत्साहनों, और पदवियों से। कहीं भी उस में लेशमात्र भी मिलावट, प्रोपेगंडा, भेद-भाव, मिथ्याचार, या दिखावे का संकेत नहीं मिलेगा! इस का प्रत्यक्ष प्रमाण यह भी है कि किसी कट्टर से कट्टर राष्ट्रवादी भारतीय ने अंग्रेज शासकों, प्रशासकों, अधिकारियों पर सामान्य पक्षपात या भ्रष्टाचार का आरोप कभी नहीं लगाया। उन का नियमित कामकाज इतनी पारदर्शिता और गुणवत्ता से चलता था।

अतः क्या आश्चर्य कि आज देश के सर्वोच्च नेतागण भी भारतीय ज्ञान-ग्रंथों के बारे में शून्य जानकारी रखते हैं। यदि कोई संस्था सर्वेक्षण करे (जो 'प्यू रीसर्च जैसी कोई विदेशी ही हो सकती है, देश में अब ऐसी कोई संस्था ही नहीं बची! जो यह करती हो) तो हमारे तमाम मंत्रियों, सासंदों में भारतीय ज्ञान ग्रंथों के पाँच नाम भी बता सकने वाले बिरले ही मिलेंगे। वही देश की शिक्षा, संस्कृति, और विज्ञान, सब के कर्णधार हैं! कहने की जरूरत नहीं कि आम अन्धत्व की स्थिति में इस हाल का मतलब समझने वाले भी बहुत कम हैं। और जो हैं वे असहाय दर्शक भर।

अब इस नये प्रसंग को देखें, जो 'मनुस्मृति को फिर दो लात लगाने से जुड़ी है। एक महान ज्ञान-ग्रंथ — जिस ने ब्रिटिश राज के दौर में स्वामी दयानन्द और स्वामी विवेकानन्द जैसे महापुरुषों को प्रेरित किया, जिन्होंने देश-विदेश में अनगिनत लोगों को अपनी सीख से लाभान्वित किया। उस ग्रंथ का स्थान देसी राज में यह है कि हर नेता उसे गाली देकर, या जला कर अपने को देश का कर्णधार समझता है! किसी को उसे पढ़ने की जरूरत नहीं। बस, गाली देना पर्याप्त है। जिस से वह प्रगतिशील, बहुजन-हितैषी, समाज सेवक, आदि कहलाने का हकदार हो जाता है।

यह है देसी राज की शिक्षा का नतीजा, जिस में पैदा हुए और पले-बढ़े लोग ही आज देश भर में सत्तासीन हैं। वे न केवल यह दृश्य सहज रूप से देखते हैं, अपितु इसी को प्रोत्साहन देते हैं। मामूली खोजबीन से ऐसे उच्च पदस्थ लोग मिल जाएंगे जो मनुस्मृति को जलाकर, या उसे अपशब्द कह कर ऊपर स्थापित हुए। साथ ही, ऐसे लोग भी मिल जाएंगे जो जटिल विषयों के अच्छे ज्ञाता हैं, इसीलिए कहीं भूखे, बेघर उपेक्षित पड़े हैं। जो किन्ही मित्रों के अनुदान और सहयोग से जीवन चला रहे हैं। क्योंकि वे उस 'केटेगरी के हैं जिन की जरूरत देसी राज को नहीं है।

सो, देसी राज में महान पुस्तकें शिक्षा से क्रमशः बाहर होती गईं। उन्हें तुच्छ या अप्रासंगिक मान लिया गया। बिना पढ़े। मनुस्मृति की नियमित भर्त्सना इसी का उदाहरण है। जबकि यदि शीर्षक हटाकर इसे किन्हीं भी दस समझदार लोगों को पढ़ने को दें, और फिर मंतव्य लें, तो सभी उसे महान ग्रंथ मानेंगे। अतः निंदक लोग केवल सुनी-सुनाई पर चलते हैं कि उस में 'शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।

वस्तुतः मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है। यदि होता, तब भी आज के नजरिए से किसी पुरानी पुस्तक में कोई नापसंद बात मिलने पर भी उसे अपमानित करना मूर्खता है। इसीलिए 'ओल्ड टेस्टामेंट या 'कुरान जैसे प्राचीन ग्रंथों को सम्मान दिया जाता ह। जबकि उस में पगान, आइडोलेटर, काफिर, यानी दूसरे धर्म-विश्वासियों के लिए अत्यंत अपमानजनक बातें लिखी हुई हैं। उस दृष्टि से आज दुनिया में कम से कम तीन अरब लोग आइडोलेटर और काफिर हैं। तो मनुस्मृति को गाली देने की तर्ज पर आइडोलेटरों को क्या इन्हें उन पुस्तकों को अपशब्द कहने का अधिकार है? पूछ कर देखिए, मनुस्मृति को जलाने का दंभ रखने वाले बगलें झाँकने लगेंगे! देसी राज की शिक्षा ने ऐसे ही मतिहीन नेता बनाए हैं। जो अपनी ही दलील से दो कदम भी सुसंगत नहीं चल सकते। पर वही हमारे कर्ता-धर्ता और मार्गदर्शक हैं। मनुस्मृति में सृष्टि, दर्शन, धर्म-चिंतन, जीवन के विधि-विधान, गृहस्थ-जीवन, स्त्री, विवाह, राज्य-राजा संबंधी परामर्श, वैश्य-शूद्र संबंधी कर्तव्य, प्रायश्चित, कर्मफल विधान, मोक्ष और परमात्मा चिंतन है। विविध प्रकाशनों में मनुस्मृति में डेढ़ से लेकर ढाई हजार श्लोक मिलते हैं। उन में सैकड़ों प्रक्षिप्त श्लोक माने गए हैं। यानी जो मूल श्लोकों से विसंगत लगेंगे। उन पर विद्वानों में मतभेद हैं। अतः किसी एक मात्र प्रमाणिक प्रति पर असहमति है।

फिर भी, ध्यान देना चाहिए कि स्वामी दयानन्द सरस्वती और स्वामी विवेकानन्द की तमाम शिक्षाओं और जीवन-कर्म का आधार वेद, उपनिषद और मनुस्मृति हैं। इस प्रकार, भारतीय समाज की जो सेवा इन महापुरुषों ने की, उस की प्रेरणा उन्हें मनुस्मृति से भी मिली। तब स्वामी विवेकानन्द ने मनुस्मृति को अधिक समझा था या आज के हमारे कर्णधार जो समाज को तोड़ने, लड़ाने, वोट बटोरने के लिए मनुस्मृति पर कालिख पोतते रहते हैं?

जबकि वही लोग कुरान पर मुँह सी लेते हैं, जिस में लिखे आदेश आज भी दुनिया के हजारों नेता अपना स्थाई कानून समझते हैं। तदनुरूप काफिरों का संहार करना, उन्हें छल-बल से धर्मांतरित कराना, या अपमानित करते रहना अपना खुदाई अधिकार और धर्म समझते हैं! ऐसा धर्म जिस में रुकावट डालने पर आसमान सिर पर उठा लेते हैं। केवल वही नेता नहीं, उन की कौम के वोटों की नजरे-इनायत के लालची काफिर नेता भी कुरान के सम्मान में झुके रहते हैं।

फिर, तुलना में मनुस्मृति का रचनात्मक प्रभाव देखें। स्वामी दयानन्द सरस्वती ने मनुस्मृति को अपने समाज-सुधार का आधार बनाया था। यदि मनुस्मृति जातिवादी या स्त्री-विरोधी होती, तो वे संपूर्ण भारत में इतना बड़ा आधुनिक, व्यापक प्रभावशाली सुधार आंदोलन चलाने में कैसे सफल हुए होते? यह प्रमाणिक इतिहास भुलाकर, केवल अपने लोभ और राजनीतिक प्रोपेगंडा के असर में यहाँ अनेक लोगों ने भ्रमवश या जान-बूझकर मनुस्मृति को निशाना बना रखा है। यहाँ तक कि 'मनुवाद नामक गाली तक गढ़ ली!

यह देसी राज की वह दुर्दशा है जो मुगल राज में भी नहीं थी। हिन्दू ग्रंथों की निन्दा करने वाले उसे शायद ही पढ़ते हैं। मनुस्मृति के राज्य-शासन संबंधी तीनों अध्याय गंभीर ज्ञान-भंडार हैं। अधिकांश आज भी मूल्यवान। तब सोचें, तीन हजार वर्ष पहले इतना गहन चिंतन विश्व में कहाँ था! तब यहाँ ऐसे शास्त्र रचे गए, जिन की बातें आज भी चमत्कृत करती है।

पर यह कैसी विडम्बना है कि वर्तमान युग में यूरोपीयनों ने हिन्दू ज्ञान ग्रंथों का शोध और प्रकाशन, प्रसार, प्रचार किया। जो काम देसी राज ने फौरन ही उपेक्षित करना आरंभ किया। उसी क्रम में आगे बढ़ कर अब तो वे ग्रंथ निंदित भी हो रहे हैं। या फिर, खाली डींग हाँकने के विषय जिस के बहाने केवल अपना, अपने दल का उत्थान करना मुख्य लक्ष्य है।

इसीलिए यह आज भारत में ज्ञान और शिक्षा की असलियत का संकेत है कि एक ओर कोई 'भारतीय ज्ञान परंपरा की शेखी बघारता है, तो कोई किसी ज्ञान ग्रंथ को जली-कटी सुनाता है। ज्ञान ग्रंथों को पढ़ना, पढ़ाना और उन से सीखना न इधर है, न उधर। कुछ यही सब देखकर देसी राज के एक दशक बाद ही हमारे अनेक बुजुर्ग कहते थे कि यहाँ अंग्रेजों का राज बेहतर था। उन्होंने दोनों को देखकर ऐसा कहा था।

कारोबारी विनीत हत्याकांड: मर्डर वाली रात बेटे सुब्रत को नौकर ने 6 बार किया था फोन, प्लानिंग हो गई फेल

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कारोबारी विनीत मिनोचा हत्याकांड में खुलासा हुआ कि नौकर विशाल ने विनीत मिनोचा की हत्या के लिए खुद के बचाव के लिए भी अपनी अलग योजना बनाई थी।

उसने तीन सितंबर को एक नया सिमकार्ड खरीदा और उसी दिन पुराना नंबर बंद कर मोबाइल फोन पर नया सिम लगाया, जिससे उसने उस नंबर से शालू को सात और सुब्रत को छह बार कॉल की थी। उसने नया सिम शुभम के नाम से लिया था।

आरोपी विशाल की मोबाइल की गूगल हिस्ट्री जांचने पर सामने आया कि उसने हत्या से एक दिन पहले धारदार चाकू कहां मिलता, कितनी धार और किस-किस तरह के चाकू होते हैं, ये सब जानकारी के लिए गूगल पर ढूंढा था।

अपार्टमेंट में पहुंचकर हत्यारोपित गार्डन में टहलने लगे

विशाल ने अपने नए सिम नंबर से आठ मिनट में तीन बार आपस में फोन पर बात की, जबकि हत्या के बाद पहली कॉल आनलाइन टैक्सी बुक कराने के लिए और दूसरी कॉल दोस्त नैतिक को पांच बार कॉल की थी। हत्या करने जब विशाल और उसका दोस्त राजकिशोर अपार्टमेंट में पहुंचे तो पीछे गार्डन में टहलने लगे, जहां विशाल और राजकिशोर के बीच 10:29 बजे 20 सेकेंड, 10:31 बजे 44 सेकेंड और 10:37 बजे करीब 60 सेकेंड कॉल पर बात हुई। इससे पुलिस को अनुमान है कि आरोपित फ्लैट में घुसने से पहले अलग-अलग टहलते हुए फोन पर हत्याकांड की योजना पर बात कर रहे थे। हो सकता है कि योजना के तहत पहले उनमें से एक को फ्लैट के अंदर और एक को बाहर परिसर में निगरानी करते रहना था, लेकिन अचानक योजना बदली और दोनों अंदर चले गए। पुलिस का अनुमान है कि हत्या 11:10 से 11:25 बजे के बीच की गई होगी।

क्या है पूरा मामला

इंदिरा नगर निवासी दवा कारोबारी विनीत मिनोचा की पांच सितंबर की रात उनके फ्लैट के अंदर चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड के दो आरोपित अभी गिरफ्त में हैं, जिसमें कारोबारी का पुराना नौकर विशाल उर्फ शिवम और शुभम, उसका साथी राजकिशोर है। इन दोनों को पुलिस ने छह सितंबर की शाम मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। विशाल ने कारोबारी की बहू शालू पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया। शालू मूलरूप से लखनऊ के ठाकुर गंज की रहने वाली है।

बहू पर लगाया था हत्या की साजिश का आरोप

विशाल ने कहा था कि शालू के कहने पर हत्या की थी। हालांकि पुलिस जांच में कारोबारी के बेटे सुब्रत का भी नाम सामने रहा है। पुलिस इस समय शालू, सुब्रत और विशाल के बीच हुई बात की पूरी कॉल डिटेल, सीसी कैमरों की छानबीन कर रही है।

पुलिस ने रिमांड के लिए कोर्ट में दिया प्रार्थना पत्र

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, मामले में पुलिस ने मंगलवार को शालू व विशाल का कस्टडी रिमांड लेने के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। रिमांड मिलने पर दंपती व विशाल का सामना करा हत्याकांड का राजदार से कड़ियां जोड़ी जाएगी।

सांसद के नाम का शिलापट हटाने को लेकर विवाद, पुलिस से की शिकायत

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। नगर कोतवाली क्षेत्र में सांसद निधि से कराए गए नाली और इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण के बाद लगाए गए शिलापट को हटाने को लेकर विवाद सामने आया है। एक स्थानीय निवासी विजयपाल गौतम ने नगर कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर एक व्यक्ति पर गाली-गलौज, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ति ने पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। विजयपाल गौतम ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके घर के सामने सांसद तनुज पुनिया की निधि से नाली और इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराया गया था। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद वहां शिलापट लगाया गया था। आरोप है कि 13 जनवरी 2026 को स्थानीय निवासी तेज सिंह यादव व उनके पुत्र रानू व शानू यादव मौके पर पहुंचे और शिलापट को हटाने व तोड़ने का प्रयास करने लगे। विजयपाल के मुताबिक, उन्होंने इसका विरोध किया तो संबंधित व्यक्ति ने उनके साथ गाली-गलौज की। आरोप है कि इस दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि घटना के समय मौके पर मौजूद सिद्धनाथ, दिनेश यादव समेत अन्य लोगों ने पूरी घटना देखी और सुनी। घटना के बाद विजयपाल ने नगर कोतवाली प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच कराने, आरोपित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। पुलिस की जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

संक्षेप

दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बाराबंकी। संदिग्ध व्यक्तियों, वांछित अभियुक्तों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बाराबंकी पुलिस ने 15/16 सितम्बर को दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इस दौरान 31 अभियुक्तों के खिलाफ शांतिभंग की धाराओं में कार्रवाई की गई। वहीं मोहम्मदपुर खाला पुलिस ने चन्द्रमा उर्फ चन्टू गौतम को गिरफ्तार कर उसके कब्जे/निशानदेही पर चोरी के दो जोड़ी सफेद धातु की पायल, एक जोड़ी पीली धातु के टप्स तथा चोरी की अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस के अनुसार बरामद जेवर ग्राम क्योटला स्थित एक घर से चोरी किए गए थे, जबकि बाइक लखनऊ के इंदिरानगर क्षेत्र से चोरी की गई थी। वहीं दरियाबाद पुलिस ने दुष्कर्म सहित संबंधित धाराओं में दर्ज मुकदमे में वांछित मो. इलियास निवासी कटरा, कस्बा दरियाबाद को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की है।

किसान दिवस में बिजली कटौती और धान खरीद का मुद्दा उठा

बाराबंकी। विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में बुधवार को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) की अध्यक्षता में किसान दिवस आयोजित हुआ। किसानों ने अघोषित बिजली कटौती, बैंक ऋण, नहरों की सफाई और धान खरीद की तिथि से जुड़ी समस्याएं उठाईं। किसानों ने निर्धारित रोस्टर के अनुसार बिजली आपूर्ति की मांग की। विद्युत विभाग के अधिकारी ने बताया कि तकनीकी समस्या के कारण पिछले 10 दिनों से कटौती बढ़ी है, जो तीन-चार दिन और जारी रह सकती है। किसानों ने रबी सीजन से पहले नहरों की टेल तक सफाई कराने और बैंक ऋण समाप्त होने के बाद भूमि बंधनमुक्त करने की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की। वहीं, लखनऊ और सीतापुर में एक अक्टूबर से धान खरीद शुरू होने का हवाला देते हुए बाराबंकी में भी एक अक्टूबर से धान खरीद शुरू कराने की मांग रखी। अपर जिलाधिकारी ने इस संबंध में शासन को पत्र भेजने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी तथा विभिन्न विकासखंडों के प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

खो-खो को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाकर प्रतिभाओं को देंगे मंच : अपर्णा मिश्रा

बाराबंकी। खो-खो अब केवल ग्रामीण खेल नहीं रह गया है, बल्कि आधुनिक और तेजी से लोकप्रिय हो रहा खेल बन चुका है। खिलाड़ियों को बेहतर अवसर देने के उद्देश्य से बाराबंकी खो-खो स्पोर्ट्स प्रमोशन वेलफेयर एसोसिएशन ब्लॉक स्तर से प्रदेश स्तर तक प्रतियोगिताएं आयोजित कराएगी। ग्रामीण प्रतिभाओं को खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। यह बात एसोसिएशन की अध्यक्ष अपर्णा मिश्रा ने मंगलवार को नगर के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने बताया कि खो-खो में पिछले कुछ वर्षों में व्यापक बदलाव आया है। मिट्टी के मैदान से निकलकर यह खेल अब मैट-बेस्ड और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप हासिल कर चुका है। उन्होंने कहा कि खो-खो वर्तमान में 61 देशों में खेला जा रहा है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को खेल कोटे के माध्यम से सरकारी नौकरी और विश्वविद्यालयों में प्रवेश के अवसर भी मिले हैं। अपर्णा मिश्रा ने कहा कि लीग प्रतियोगिताओं के बाद खो-खो के प्रति लोगों की सोच में बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि खेल को 2030 तक कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स तथा 2032 तक ओलंपिक में शामिल किए जाने की उम्मीद है। महिलाओं और बेटियों की भागीदारी बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य खो-खो स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिषेक सिंह के निर्देश और सहयोग से जिले में ग्रामीण स्तर तक खेल को पहुंचाने की रणनीति तैयार की जा रही है। दिसंबर में ग्रामीण क्षेत्रों में खो-खो प्रतियोगिता आयोजित कराने की योजना है। एसोसिएशन खिलाड़ियों को बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए काम करेगी, ताकि जिले की प्रतिभाएं आगे बढ़ सकें और युवा खेल के माध्यम से स्वस्थ एवं फिट रहें।

आवास विकास कॉलोनी में मां दुर्गा के भव्य पर्वताकार दरबार का निर्माण शुरू

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। नगर के आवास विकास कॉलोनी स्थित बड़े पार्क में इस वर्ष मां दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में मां दुर्गा के भव्य पर्वताकार दरबार के निर्माण कार्य का शुभारंभ विधि-विधान के साथ बल्ली पूजन कर किया गया। आचार्य पं. दुर्गेश मिश्रा ने दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की मौजूदगी में विधिवत पूजन-अर्चन कर मां दुर्गा की आराधना की और महोत्सव के सफल आयोजन की कामना की। बल्ली पूजन के अवसर पर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष जय प्रकाश जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रशांत पाण्डेय, सत्यवान वर्मा, शिव कुमार व्यास, बी.एन. पाठक, अंशुमान वर्मा, अपूर्व तिवारी, मुन्ना पांडे, अप्पू शुक्ला, गोलू मौर्य सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे। पूजन के बाद पर्वताकार दरबार के निर्माण कार्य को गति दे दी गई। समिति के अनुसार आवास विकास कॉलोनी के बड़े पार्क में प्रत्येक वर्ष मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा एवं आकर्षक दरबार सजाया जाता है। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष पर्वताकार दरबार तैयार किया जा रहा है, जिसमें धार्मिक एवं सांस्कृतिक विविधता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। दरबार को आकर्षक रूप देने के लिए कारीगरों द्वारा दिन-रात तैयारियां की जा रही हैं। दुर्गा पूजा महोत्सव की एक खास परंपरा के तहत हिमाचल प्रदेश स्थित ज्वाला देवी मंदिर से मां की ज्योति लाकर नवरात्रि के प्रथम दिन विधिवत स्थापित की जाती है। इसके साथ ही मां दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना भी की जाएगी। मान्यता और आस्था से जुड़ी इस ज्योति के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

हिंदी दिवस पर 'अभिव्यक्ति' में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

बाराबंकी। श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज की ओर से राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर 14 व 15 सितंबर को दो दिवसीय कार्यक्रम 'अभिव्यक्ति' आयोजित किया गया। इसमें वाद-विवाद, भाषण, कहानी व निबंध लेखन तथा मीम-निर्माण प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन चांसलर इंजी. पंकज अग्रवाल, प्रो-चांसलर इंजी. पूजा अग्रवाल, कुलपति प्रो. (डॉ.) विजय तिवारी और कुलसचिव डॉ. हेमेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में तथा इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज के निदेशक प्रो. (डॉ.) नरेंद्र बहादुर सिंह के निर्देशन में हुआ। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त अपर आयुक्त, वाणिज्य कर वेद प्रकाश ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए रचनात्मक सोच, तार्किक चिंतन और प्रभावी संचार के महत्व पर प्रकाश डाला। निबंध व कहानी लेखन में मंतशा खान ने प्रथम स्थान हासिल किया।

राधाष्टमी पर आगरा से चलेंगी यूपी रोडवेज की 160 स्पेशल बसें, बरसाना में अस्थाई बस स्टैंड

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। राधाष्टमी पर्व पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रोडवेज ने विशेष बस संचालन की तैयारी की है। 18 से 20 सितंबर तक आगरा क्षेत्र से बरसाना के लिए 160 बसें संचालित की जाएंगी। मंगलवार को क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में हुई बैठक में संचालन की समीक्षा कर अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

आरएम रोडवेज बीपी अग्रवाल ने बताया कि आगरा से बरसाना वाया मथुरा-गोवर्धन 50, मथुरा से बरसाना वाया गोवर्धन 60, वृंदावन से बरसाना 30, मथुरा से बरसाना वाया छाता पांच और मथुरा से बरसाना वाया कोसी 15 बसें चलेंगी। बरसाना में जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए अस्थायी बस स्टैंड से बसों का संचालन होगा।

तीन पालियों में तैनात रहेंगे अधिकारी और कर्मचारी

बरसाना, गोवर्धन, भूतेश्वर बस

स्टेशन और आगरा आईएसबीटी पर तीनों पालियों में अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहेंगे। बसों की साफ-सफाई, सुरक्षित संचालन और यात्री सुविधाओं पर विशेष जोर रहेगा। मार्ग पर प्रवर्तन की भी व्यवस्था की जाएगी।

मथुरा से भी मिलेगी सुविधा

श्रद्धालुओं को बरसाना तक पहुंचाने और वापस लाने के लिए प्रमुख मार्गों पर बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। एआरएम केके आर्य ने बताया कि राधाष्टमी के दौरान बरसाना में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए बसों के फेरे भी बढ़ाए जा सकते हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

ब्रेक फेल होने से पलटी स्कूल बस, 6 छात्र घायल ; 30 बच्चे थे सवार

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। बेला थाना क्षेत्र के कानपुर मार्ग पर बुधवार सुबह करीब 30 बच्चों को लेकर जा रही सौरभ एकेडमी की स्कूल बस ब्रेक न लगने से अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसा ग्राम बम्नौटी मोड़ के पास हुआ। दुर्घटना के बाद बस में सवार बच्चों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चों को उपचार के लिए नवजीवन अस्पताल, बेला भेजा गया। बताया गया कि हादसे में छह बच्चे घायल हुए हैं। इनमें कुछ बच्चों को हल्की चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद कुछ बच्चों को उनके स्वजन

अपने साथ घर ले गए, जबकि अन्य बच्चों का अस्पताल में उपचार कराया गया। सीओ विधूना पी. पुनीत मिश्र ने बताया कि बस में करीब 30 बच्चे सवार थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस का ब्रेक फेल होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस पलट गई।

पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाते हुए चालक राम विलास, निवासी बेला, को हिरासत में ले लिया है। हादसे के बाद अभिभावकों में भी चिंता का माहौल रहा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

यूपीआई शुल्क को लेकर सांसद तनुज पुनिया ने केंद्र पर साधा निशाना

बाराबंकी। कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने 2,000 रूपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित एमडीआर व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इससे छोटे व्यापारी, किसान और आम उपभोक्ता प्रभावित हो सकते हैं। सांसद ने कहा कि खाद-बीज और कृषि से जुड़े कारोबार में अतिरिक्त शुल्क छोटे व्यापारियों पर वित्तीय बोझ बढ़ा सकता है। तनुज पुनिया ने सरकार से यूपीआई भुगतान पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम करने, छोटे व्यापारियों को राहत देने तथा एमडीआर व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को संसद में उठाएगी और व्यवस्था के खिलाफ अपना विरोध जारी रखेगी। सांसद ने कहा कि 15 अक्टूबर 2026 से लागू होने वाली एमडीआर व्यवस्था पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इसका प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष बोझ छोटे कारोबारियों और आम उपभोक्ताओं पर न पड़े।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत की गई प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप पॉक्सो न्यायालय ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दोषी अभियुक्त को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 70 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। हालांकि, न्यायालय ने एससी-एसटी एक्ट की संबंधित धारा में अभियुक्त को दोषमुक्त कर दिया। पुलिस के अनुसार, पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक बाराबंकी अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में गंभीर एवं जघन्य अपराधों में प्रभावी पैरवी कर दोषियों को सजा दिलाने के लिए 'ऑपरेशन कन्विक्शन' चलाया जा रहा है। इसके तहत मॉनीटरिंग सेल और पैरोकारों द्वारा न्यायालय में महत्वपूर्ण गवाहों को प्रस्तुत कराने के साथ ही अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी की जा रही है। गत 12 अगस्त 2023 को बड़ूपुर थाने में एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म किए जाने की सूचना दी थी। पुलिस ने मामले में मुकदमा अपराध संख्या 219/2023 के तहत धारा 363, 366 व 376 आईपीसी तथा 3/4 पॉक्सो एक्ट और 3(2)(वी) एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस के मुताबिक, मामले की विवेचना तत्कालीन क्षेत्राधिकारी रघुवीर सिंह ने की। साक्ष्यों का संकलन और विवेचना पूरी करने के बाद अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट), कोर्ट नंबर-45, बाराबंकी में हुई। न्यायालय ने अभियुक्त राका उर्फ राकेश पुत्र भगवान सिंह, निवासी प्रेरणा कोल्ड स्टोरेज, ग्राम मल्लावां, थाना बड़ूपुर, बाराबंकी को संबंधित धाराओं में दोषसिद्ध करते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और 70,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

नेपाल में त्योहारों का बड़ा तोहफा, एटीएम से निकलेंगे 100 रुपये के नोट

आर्यावर्त संवाददाता

ककरहवा, सिद्धार्थनगर। दशहरा और तिहार त्योहार को देखते हुए नेपाल राष्ट्र बैंक ने बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को एटीएम से 100 रुपये के नोट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

केंद्रीय बैंक के करेंसी मैनेजमेंट विभाग ने नेपाल बैंकर्स एसोसिएशन, डेवलपमेंट बैंकर्स एसोसिएशन और नेपाल फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस एसोसिएशन को पत्र भेजकर अपने सदस्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के एटीएम में 100 रुपये के नोट की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। राष्ट्र बैंक की सहायक प्रवक्ता सुधा शाह के अनुसार, त्योहार के दौरान छोटे मूल्य के नोटों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में नोट बदलवाने या छोटे नोट लेने के लिए बैंक शाखाओं और काउंटरों पर ग्राहकों की भीड़ बढ़ती है। एटीएम से 100

रुपये के नोट उपलब्ध होने से इस भीड़ को कम करने में मदद मिलेगी और ग्राहकों को छोटे नोट के लिए बैंक काउंटर की कतार में नहीं लगना पड़ेगा।

बताया गया कि इससे पहले अधिकांश बैंक एटीएम से मुख्य रूप से 500 और 1,000 रुपये के नोट ही उपलब्ध कराते थे। राष्ट्र बैंक के निर्देश के बाद अब 100 रुपये के नोट भी एटीएम के माध्यम से उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है।

त्योहार के दौरान खरीदारी, दक्षिणा और अन्य छोटे लेनदेन के लिए 100 रुपये के नोट की जरूरत अधिक होती है। केंद्रीय बैंक की इस पहल से आम ग्राहकों के साथ व्यापारियों को भी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

आज से 17 अक्टूबर तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान'

बाराबंकी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जनपद में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। अभियान के तहत गांव से शहर तक सेवा, जनकल्याण, जागरूकता, सांस्कृतिक और जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों से हुए बदलावों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। युवा, महिला, किसान और पात्र लाभार्थियों को भी विभिन्न गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रभारी मंत्री एवं राज्यमंत्री कारागार सुरेश राही की अध्यक्षता में निरीक्षण भवन में बैठक हुई। इसमें जिला पंचायत प्रशासक राजरानी रावत, एमएलसी अंगद सिंह, जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी पंकज वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा सहित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में

एसएसपी ने किया अलीगढ़ पुलिस में फेरबदल, चार इंस्पेक्टर सहित कई सब-इंस्पेक्टर के तबादले

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। पुलिस विभाग में फेरबदल करते हुए चार निरीक्षकों और कई उपनिरीक्षकों को नई जिम्मेदारी दी गई है। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षक सुबोध कुमार को पुलिस लाइन से अतिरिक्त निरीक्षक अपराध, थाना अतरौली बनाया गया है।

निरीक्षक एकता सिंह को पुलिस लाइन से अतिरिक्त निरीक्षक अपराध, थाना चंडौस और निरीक्षक योगेंद्र सिंह को पुलिस लाइन से अतिरिक्त निरीक्षक, थाना क्वार्सी की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक रामनिवास को पुलिस लाइन से प्रभारी वीआइपी सेल बनाया गया है।

उपनिरीक्षक मनिन्द्र सिंह को थाना गोधा के वरिष्ठ उपनिरीक्षक पद से थाना क्वार्सी का वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाया गया है।

उपनिरीक्षक परमेन्द्र सिंह को चौकी प्रभारी मलखान सिंह थाना बन्नादेवी से थाना गोधा भेजा गया है।

थाना गोंडा से अभिनव तोमर का स्थानांतरण

उपनिरीक्षक अभिनव तोमर का थाना गोंडा से स्थानांतरण किया गया है। वहीं उपनिरीक्षक रवीन्द्र सिंह को चौकी प्रभारी नगला पटवारी, आनन्द कुमार को चौकी प्रभारी जिरौली धूम सिंह, अतरौली और युसुफ खान को चौकी प्रभारी किशनपुर थाना क्वार्सी की जिम्मेदारी दी गई है।

पार्सल से चोरी हुए 12 मोबाइल में दो बरामद

महुआखेड़ा पुलिस ने पार्सल से 12 मोबाइल फोन चोरी करने के मामले में वांछित दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एसओ डीके सिसौदिया के अनुसार मुरादाबाद निवासी अरुण चौधरी ने मुकदमा दर्ज कराया था। वह केमियन्स लाजिस्टिक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में एरिया मैनेजर हैं। 25 जून 2025 को वेयरहाउस से वाहन में 57 पार्सल अलीगढ़ के लिए भेजे गए थे। तलासपुर कलां, रामघाट रोड स्थित कार्यालय पर डिलीवरी के दौरान 56 पार्सल ही मिले। एक पार्सल अनलोडिंग के समय गायब हो गया।

दो आरोपित गिरफ्तार

जांच में पता चला कि गायब पार्सल में 12 मोबाइल फोन रखे थे। एसएसपी के आदेश पर चार जनवरी 2026 मुकदमा पंजीकृत हुआ था। मंगलवार को महुआखेड़ा पुलिस ने अतरौली थाना क्षेत्र से लौहगढ़ निवासी मनोज और अतुल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए। इस मामले में एक आरोपित को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

कढ़ाई के नीचे जमी काली परत नहीं छूट रही? शेविंग क्रीम से आजमाएं ये ट्रिक

दोबारा

रसोई में रोज इस्तेमाल होने वाली कढ़ाई का अंदर वाला हिस्सा तो आसानी से साफ हो जाता है, लेकिन नीचे का हिस्सा साफ करना काफी मुश्किल होता है। गैस की आंच के संपर्क में आने से यहां तेल, धुआं और जली हुई गंदगी की परत जमती जाती है। कई बार बर्तन धोने के बाद भी यह हिस्सा काला ही नजर आता है। अगर आपकी कढ़ाई के नीचे भी ऐसी ही गंदगी जम गई है तो इसे साफ करने के लिए शेविंग क्रीम ट्राई कर सकते हैं। शेविंग क्रीम में ऐसे सफाई करने वाले तत्व होते हैं जो हल्की चिकनाई और गंदगी को ढीला करने में मदद कर सकते हैं। आज की इस खबर में हम आपको इसकी सफाई से जुड़े कुछ आसान ट्रिक्स के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं। तो आइए जानते हैं कैसे?

ऐसे करें शेविंग क्रीम से सफाई

सबसे पहले कढ़ाई को पूरी तरह ठंडा होने दें। इसके बाद नीचे के काले हिस्से पर थोड़ी सी शेविंग क्रीम फैलाकर लगा दें। इसे किसी पुराने टूथब्रश या नरम स्क्रब पैड की मदद से गंदे हिस्से पर हल्के हाथ से रगड़ें। अब इसे करीब 10 से 15 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसके बाद गीले कपड़े या स्पंज से क्रीम और ढीली हुई गंदगी को साफ करें। जरूरत लगे तो थोड़ा स्क्रब कर सकते हैं। सफाई के बाद कढ़ाई के नीचे वाले हिस्से को पानी से अच्छी तरह धोकर पूरी तरह सुखा लें। ध्यान रखें कि कढ़ाई का यह हिस्सा अगली बार गैस पर रखने से पहले बिल्कुल सूखा होना चाहिए।

हर कढ़ाई पर एक जैसा तरीका न आजमाएं

यह तरीका हल्की चिकनाई और सामान्य कालेपन पर काम कर सकता है, लेकिन अगर कढ़ाई के नीचे मोटी और बहुत पुरानी जली हुई परत है तो सिर्फ शेविंग क्रीम से पूरी सफाई होना मुश्किल है। ऐसे में ज्यादा जोर लगाकर रगड़ने से बर्तन की सतह पर खरोंच भी आ सकती है।

नॉन-स्टिक कढ़ाई के लिए करें ये चीज

अगर कढ़ाई नॉन-स्टिक है तो खास सावधानी रखें। उसकी कोटिंग पर बहुत हार्ड स्क्रबर या ज्यादा जोर से रगड़ने से बचें। किसी भी सफाई वाली चीज को इस्तेमाल करने से पहले कढ़ाई के मटेरियल के हिसाब से तरीका चुनना बेहतर है। एक और जरूरी बात यह है कि शेविंग क्रीम को कढ़ाई के अंदर खाना पकाने वाली सतह पर इस्तेमाल न करें। इसे सिर्फ बाहरी, काले पड़े हिस्से की सफाई के लिए ही इस्तेमाल करें और सफाई के बाद बर्तन को अच्छी तरह धो लें।

मिक्सर ठीक से नहीं पीस रहा मसाला? जार में सेंधा नमक डालने की यह ट्रिक अभी जान लें

मिक्सर जार की ब्लेड समय के साथ ठीक से काम नहीं करती तो कई लोग उसे तेज करने के लिए सेंधा नमक पीसने की घरेलू ट्रिक बताते हैं। हालांकि, इससे ब्लेड सच में तेज हो जाएगी, इसका कोई पक्का वैज्ञानिक सबूत नहीं है। फिर भी जार की सफाई के लिए इस तरीके को आजमाया जा सकता है, बस सावधानी जरूरी है।

ऐसे

मिक्सर जार का इस्तेमाल रोज सब्जियों का मसाला, चटनी, शेक और कई दूसरी चीजें बनाने में होता है। लगातार इस्तेमाल के बाद जार की ब्लेड पहले जैसी अच्छी तरह काटती नहीं है। कई बार इसकी वजह ब्लेड का घिसना होती है, लेकिन सिर्फ ब्लेड को जिम्मेदार मानना सही नहीं है। जार में जरूरत से ज्यादा सामान भरना, बहुत कम पानी डालना या जार के नीचे कुछ फंस जाना भी मिक्सिंग को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में सबसे पहले जार और ब्लेड की सफाई कर लेना चाहिए। तो आइए जानते हैं।

सेंधा नमक वाली ट्रिक कैसे आजमाएं?

घरेलू तौर पर कुछ लोग जार में थोड़ा सेंधा नमक डालकर उसे कुछ सेकंड चलाने की सलाह देते हैं। इसके पीछे माना जाता है कि नमक के दाने ब्लेड के संपर्क में आकर जमी गंदगी को हटाने में मदद कर सकते हैं। अगर आप यह तरीका आजमा रहे हैं तो जार को खाली करके उसमें थोड़ी मात्रा में सेंधा नमक डालें।

करें इस्तेमाल

ढक्कन अच्छी तरह बंद करके मिक्सर को कुछ सेकंड के लिए चलाएं। इसके बाद जार को खोलकर नमक निकाल दें और पानी से अच्छी तरह धो लें। ध्यान रखें कि इसे ब्लेड को धार देने का पक्का तरीका न समझें। सेंधा नमक ब्लेड को नई या पहले जैसी तेज धार देने की गारंटी नहीं देता।

ब्लेड सच में खराब हो गई है तो क्या करें?

अगर जार की ब्लेड लगातार इस्तेमाल के बाद भी ठीक से चीजें नहीं काट रही है तो उसे जबरदस्ती चलाने से फायदा नहीं होगा। ब्लेड टेढ़ी हो गई है, बहुत घिस गई है या जार का नीचे वाला हिस्सा ठीक से घूम नहीं रहा है तो उसे चेक करवाना बेहतर है।

चेक करने की न करें गलती

मिक्सर चलाते समय जार में हाथ या उंगली डालकर ब्लेड को चेक करने की गलती बिल्कुल न करें। ब्लेड बंद होने के बाद भी उसे हाथ से घुमाने से बचें। सफाई करते समय भी सावधानी रखें, क्योंकि ब्लेड काफी तेज हो सकती है। इसलिए सेंधा नमक वाली ट्रिक को सिर्फ एक घरेलू सफाई उपाय की तरह देखें। अगर ब्लेड की धार सच में खराब हो चुकी है तो जार की ब्लेड बदलवाना ज्यादा सही और सुरक्षित तरीका है।

मेथी दाना किन लोगों को गलती से भी नहीं खाना चाहिए

मेथी दाना पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसको लोग पानी में भिगोकर खाते हैं ताकि वेट लॉस किया जा सके और ब्लड शुगर कंट्रोल में रहे, लेकिन ये हर किसी के लिए सही नहीं है। एक्सपर्ट ने बताया इसे कौन न खाए।

मेथी दाना का सेवन भारतीय रसोई में तड़के के रूप में किया जाता है, लेकिन आज के समय में लोग मेथी दाना का पानी पीने के साथ ही उसे भिगोने के बाद चबाकर भी खाते हैं। इससे वेट लॉस में हेल्प मिलने से लेकर आपकी सेहत को कई फायदे हो सकते हैं। ये फाइबर, आयरन, मैंगनीज, मैग्नीशियम, विटामिन सी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। हालांकि मेथी दाना का सेवन सबके लिए सही नहीं रहता है। कुछ लोगों को इससे नुकसान भी हो सकता है।

फिजिशियन और डायबिटोलॉजिस्ट डॉक्टर विपुल ने बताया है कि किन लोगों को मेथी दाना का सेवन सप्लीमेंट की तरह लेने से परहेज करना चाहिए। इसी के साथ इसका सेवन करते वक्त कौन सी सावधानियां बरतना जरूरी होता है। चलिए जान लेते हैं डिटेल के साथ।

प्रेग्नेंसी में न खाएं

एक्सपर्ट विपुल कहते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मेथी दाना का सेवन (भिगोकर चबाना या इसका पानी पीना) नहीं करना चाहिए। दाना मेथी यूट्रस यानी गर्भाशय को स्टिम्यूलेट कर सकता है। वहीं ब्रेस्टफीडिंग में भी पहले अपने डॉक्टर से पूछ लें तभी इसका सेवन करें।

सर्जरी होने वाली है तो ध्यान दें

डॉक्टर कहते हैं कि अगर आप मेथी दाना का सेवन कर रहे हैं तो किसी भी सर्जरी से दो हफ्ते पहले इसे बंद कर देना चाहिए। इसी के साथ अपने डॉक्टर को इस बारे में जरूर बताना चाहिए, क्योंकि दाना मेथी ब्लीडिंग को अफेक्ट करता है।

दवाओं के साथ न खाएं

अगर आप वॉर फेरन या फिरएसिट्रोम (Acitrom) नाम की ब्लड थिनर दवाएं ले रहे हैं तो भी मेथी दाना का सेवन न करें, क्योंकि मेथी दाना दवाओं के साथ मिलकर ब्लीडिंग को बढ़ा सकता है।

पेट से जुड़ी समस्या में न खाएं

अगर पेट में गैस हो जाए तो लोग मेथी दाना खाने की सलाह देते हैं, लेकिन अगर आपको IBS की समस्या है या फिर पाचन बहुत सेंसिटिव है तो मेथी दाना का रेगुलर सेवन करने से बचना चाहिए।

डायबिटीज वाले दें ध्यान

मेथी दाना का सेवन ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में हेल्पफुल माना जाता है, लेकिन अगर आप इंसुलिन ले रहे हैं या फिर Glimepiride जैसी कोई दवा ले रहे हैं तो मेथी दाना लेने से आपकी शुगर बहुत लो हो सकती है।

थायराइड है तो बरतें सावधानी

डॉक्टर विपुल कहते हैं कि अगर आपको थायराइड है और आप इसकी दवा ले रहे हैं तो मेथी दाना के सेवन और टेबलेट लेने में कम से कम 2 घंटा का अंतर रखें, क्योंकि ये आपकी दवा के ऑबर्जप्शन को स्लो कर सकता है।

मुंह की बदबू होगी दूर...मिलेंगे कई फायदे! घर पर बना लें ये टूथपेस्ट

दांतों को साफ करने के लिए आप घर पर ही नेचुरल चीजों से टूथपेस्ट बना सकते हैं। ये आपको मुंह की बदबू से भी दूर रखेगा और दांत-मंसूड़ों को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेगा। जान लेते हैं डिटेल्स के साथ।

दांत-मसूड़े अगर हेल्दी न हो तो इससे आपकी बाकी की हेल्थ पर भी असर पड़ता है, क्योंकि मुंह के बैक्टीरिया शरीर के अंदर भी पहुंचते हैं। इसी के साथ मुंह की सड़न की वजह से बदबू की समस्या आपको दूसरों के सामने शर्मिंदा कर सकती है। मार्केट वाले टूथपेस्ट में केमिकल होते हैं। अगर आप स्किन से लेकर बालों की देखभाल तक में नेचुरल चीजें पसंद करते हैं तो नेचुरल चीजों से टूथपेस्ट भी बनाएं। ये मुंह की बदबू को दूर करने के साथ ही आपके दांत-मसूड़ों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

आप बिना कॉस्मेटिक चीजों के भी ब्यूटीफुल रह सकते हैं, बस जरूरी है कि नेचुरल चीजों को अपने रूटीन में लेकर आएं। इसके लिए आपको कुछ समय तक संयम रखने की जरूरत होती है और फिर ये आपकी आदत में आ जाता है। चलिए जान लेते हैं घर पर टूथपेस्ट बनाने का तरीका।

इंफ्लुएंसर ने शेयर किया तरीका

नेचुरल टूथपेस्ट बनाने का ये तरीका इंफ्लुएंसर मरियम ने बताया है वो वीगन रेसिपीज भी शेयर करती हैं और नेचुरल चीजों को बढ़ावा देती हैं।

ये चाहिए मुख्य इनग्रेडिएंट्स

3 चम्मच बेंटोनाइट क्ले
3 चम्मच नारियल का तेल
1/2 चम्मच नीम के पत्तों का पाउडर
1/2 चम्मच हल्दी
5 बूंद पेपरमिंट ऑयल

ऑप्शनल इनग्रेडिएंट्स (जो आप चाहें तो डाल सकते हैं)

1/4 चम्मच सोडियम बाइकार्बोनेट (बेकिंग सोडा) 1/8 चम्मच हिमालयन सॉल्ट (सेंधा नमक) 5 बूंद नीम का तेल 3 बूंद टी ट्री ऑयल एक चुटकी लौंग का पाउडर 1/8 चम्मच स्टीविया के पत्तों का पाउडर 1/2 चम्मच चारकोल पाउडर

इस तरह बनाएं नेचुरल टूथपेस्ट

एक कांच की कटोरी में बेंटोनाइट क्ले लेकर बाकी की सारी चीजें जैसे नारियल का तेल, हल्दी पाउडर, नीम के पत्तों का पाउडर, पेपरमिंट ऑयल डालकर अच्छी तरह से मिला लें। आप चाहे तो नीचे बताए गए ऑप्शनल इनग्रेडिएन्ट्स लौंग का पाउडर, चारकोल पाउडर, टीट्री ऑयल, नीम का तेल और सेंधा नमक भी एड करें।

स्टीविया के पत्तों का पाउडर टूथपेस्ट में नेचुरल स्वीट टेस्ट लाता है और बेकिंग सोडा दांतों पर बहुत ज्यादा यूज नहीं करना चाहिए, इसलिए ये दो इनग्रेडिएंट्स आप चाहे तो टूथपेस्ट में स्किप कर दें।

ओरेकल में फिर शुरू हुई छंटनी : कर्मचारियों को सुबह छह बजे मिला ईमेल, 21 हजार कर्मचारियों पर पहले ही गिरी गाज

बिजनेस इनसाइडर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ओरेकल ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। प्रभावित कर्मचारियों को सुबह-सुबह ईमेल मिले, जिनमें उन्हें बताया गया कि बड़े संगठनात्मक बदलाव के तहत उनके पद खत्म कर दिए गए हैं।

नौकरियों में कटौती का यह नया दौर सोमवार को शुरू हुआ। प्रभावित कर्मचारियों ने लिंक्डइन, रेडिट और ब्लाइंड जैसे प्लेटफॉर्म पर अपनी छंटनी की खबर साझा की। ओरेकल ने इस नई छंटनी से प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया है।

छंटनी की वजह क्या रही?

इंटरनल नोटिफिकेशन के मुताबिक, कर्मचारियों को बताया गया कि 'बड़े संगठनात्मक बदलाव' के तहत उनकी भूमिकाएं खत्म कर दी गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जिस दिन यह नोटिफिकेशन मिला, वही उनका आखिरी वर्किंग डे भी था।

ईमेल में क्या लिखा था?

उस ईमेल में लिखा था, 'आपके कंप्यूटर, ईमेल, वॉइसमेल और फाइलों का एक्सेस जल्द ही बंद कर दिया जाएगा और आप अपने कंप्यूटर में लॉग इन नहीं कर पाएंगे। याद दिला दें कि आपको कोई भी जानकारी डाउनलोड, कॉपी या अपने पास रखने की मनाही है।' ओरेकल के लिए ये नई कटौतियां ऐसे समय में हुई हैं जब वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने डेटा-सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़े पैमाने पर विस्तार कर रहा है।

ओरेकल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर कितना खर्च कर रहा?

ओरेकल ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कैपिटल एक्सपेंडिचर (पूंजीगत खर्च) के तौर पर 28.5 अरब डॉलर खर्च किए। यह रकम एक साल पहले इसी अवधि में किए गए 8.5 अरब डॉलर से तीन गुना से भी ज्यादा है। कंपनी ने डेटा केंद्रों और एआई बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने के लिए अपने पूरे वर्ष के पूंजीगत खर्च के पूर्वानुमान को 90 अरब डॉलर से 95 अरब डॉलर के बीच बरकरार रखा है। ओरेकल की एआई क्लाउड सेवाओं की मांग में भी तेजी आई है। कंपनी ने बताया कि उसने तिमाही के दौरान 30 अरब डॉलर से ज्यादा के अतिरिक्त एआई क्लाउड कॉन्ट्रैक्ट साइन किए, जिससे उसकी कुल बची हुई परफॉर्मेंस ऑब्लिगेशन (यानी कॉन्ट्रैक्ट से होने वाली कमाई का बैकलॉग) बढ़कर 664 अरब डॉलर हो गई।

क्या ओरेकल ने पहले भी किया है छंटनी?

हाल ही में हुई छंटनी, ओरेकल द्वारा वित्तीय वर्ष 2026 में की गई बहुत बड़ी छंटनी के बाद हुई है। ओरेकल के ग्लोबल वर्कफोर्स में लगभग 21,000 कर्मचारियों या 13% की कमी आई। कंपनी की सालाना फाइलिंग के अनुसार, इस अवधि के आखिर में कंपनी के पास लगभग 141,000 कर्मचारी थे, जबकि एक साल पहले यह संख्या लगभग 162,000 थी। ओरेकल ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान पुनर्गठन से जुड़े छंटनी और अन्य निकास लागतों पर लगभग 1.84 बिलियन डॉलर खर्च किए, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 374 मिलियन डॉलर थी। कंपनी ने पहले कहा था कि उसके कर्मचारियों की संख्या में कमी का कुछ हिस्सा उसके संचालन में एआई को अपनाने और लागू करने से जुड़ा था।

खाद्य महंगाई बढ़ने से सीपीआई में हुई बढ़ोतरी, मौसम और तेल की कीमतों से आगे भी जोखिम की संभावना : इकोनॉमिस्ट्स

केयरएज रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने सोमवार को कहा कि जुलाई में 4.5 प्रतिशत रहने वाली खुदरा महंगाई अगस्त में बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई। इसके पीछे मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की ऊंची कीमतें हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि महंगाई का आउटलुक अभी भी मौसम संबंधी जोखिमों और बाहरी कारकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है।

रजनी सिन्हा के अनुसार, कोर महंगाई अगस्त में बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 4.2 प्रतिशत थी। हालांकि कीमती धातुओं को छोड़कर कोर महंगाई अपेक्षाकृत नियंत्रित रही और 3.3 प्रतिशत के स्तर पर बनी रही। मुख्य महंगाई दर में बढ़ोतरी का कारण चीनी, चावल, खाद्य तेल और प्याज जैसी कुछ सब्जियों की कीमतों में वृद्धि रही।

उद्योग संगठन पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) द्वारा उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में सालाना आधार पर 4.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। खाद्य महंगाई जुलाई के 5.52 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 5.66 प्रतिशत हो गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई 6.13 प्रतिशत रही।

प्रमुख खाद्य वस्तुओं में अदरक, प्याज और लहसुन की कीमतों में क्रमशः 73.82 प्रतिशत, 48.27 प्रतिशत और 43.60 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि टमाटर और आलू की कीमतों में राहत देखने को मिली। अगस्त के दौरान टमाटर 31.09 प्रतिशत और आलू 13.14 प्रतिशत सस्ता हुआ।

सिन्हा ने कहा कि देर से आए मानसून के कारण प्याज की नई फसल की बुवाई प्रभावित हुई है, जिससे बाजार में नई फसल की आवक में देरी हुई और कीमतों पर दबाव बना। वहीं, गन्ने की अपेक्षा से कम पैदावार और एथेनॉल उत्पादन की ओर बढ़ते रुझान के कारण घरेलू उपलब्धता कम हुई है, जिससे चीनी की कीमतों पर असर पड़ा है।

खाद्य कीमतों में वृद्धि का असर खाद्य एवं पेय उद्योग की लागत पर भी पड़ रहा है। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने कहा कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, रेस्तरां और अन्य संबंधित सेवाओं पर लागत का दबाव और बढ़ सकता है।

अगस्त में व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा तथा विविध वस्तु एवं सेवा श्रेणी में भी महंगाई ऊंचे स्तर पर रही और यह 15.21 प्रतिशत दर्ज की गई। इसका मुख्य कारण सोना और चांदी की वैश्विक कीमतों में तेजी के चलते आभूषणों के दाम बढ़ना रहा। इस दौरान चांदी के आभूषणों की कीमतों में 107.11 प्रतिशत और सोना, हीरा एवं प्लैटिनम आभूषणों की कीमतों में 35.53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

वहीं, पीएचडीसीसीआई के महासचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रणजीत मेहता ने कहा कि कीमती धातुओं की लगातार ऊंची कीमतें आगामी त्योहारी और शादी-ब्याह के सीजन के दौरान मांग को प्रभावित कर सकती हैं।

केयरएज रेटिंग्स का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही में खुदरा महंगाई अपने उच्च स्तर पर पहुंच सकती है और पूरे वित्त वर्ष में इसका औसत लगभग 5 प्रतिशत रह सकता है। मौद्रिक नीति के संबंध में रजनी सिन्हा ने कहा कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति आगे भी आंकड़ों के आधार पर फैसले लेगी और उसके निर्णय महंगाई तथा आर्थिक वृद्धि की बदलती परिस्थितियों पर निर्भर करेंगे।

उन्होंने कहा, यदि महंगाई में लगातार बढ़ोतरी बनी रहती है तो आने वाले महीनों में ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना मजबूत हो सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि अक्टूबर में होने वाली आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा पर बाजार की विशेष नजर रहेगी, क्योंकि दुनिया के कई प्रमुख केंद्रीय बैंक पहले ही सख्त मौद्रिक नीति की दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं।

2,000 रुपए तक के यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा : केंद्र सरकार

केंद्र सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि 2,000 रुपए तक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर बैंक किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लगा सकेंगे। इसी तरह, रुपे डेबिट कार्ड के जरिए 2,000 रुपए तक किए गए भुगतान पर भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी राजपत्र (गजट) अधिसूचना के अनुसार, रुपे डेबिट कार्ड और 2,000 रुपए तक के यूपीआई लेनदेन को आधिकारिक रूप से 'इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यम' के रूप में अधिसूचित किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि कोई भी बैंक या भुगतान प्रणाली संचालक इन माध्यमों से भुगतान करने या प्राप्त करने वाले व्यक्ति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार का शुल्क नहीं वसूल सकता।

सरकार ने यह फैसला पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 के तहत अधिकारों का उपयोग करते हुए लिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले संभावित शुल्कों को लेकर बनी भ्रम की स्थिति को दूर करना है।

पिछले महीने भी केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि आम उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई के माध्यम से किए जाने वाले व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) भुगतान पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। सरकार ने कहा था कि व्यापारियों (मर्चेंट्स) पर भी कोई व्यापक रूप से लागू होने वाला मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नहीं लगाया जाएगा।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, यदि भविष्य में एमडीआर लागू किया भी जाता है, तो वह केवल कुछ विशेष श्रेणी के व्यापारी लेनदेन पर, एक निश्चित सीमा से अधिक राशि वाले भुगतानों पर और बेहद मामूली दर पर ही लागू होगा। सरकार ने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति में भी शुल्क डेबिट या क्रेडिट कार्ड लेनदेन पर लगने वाले एमडीआर की तुलना में काफी कम होगा। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब हाल ही में पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 में किए गए संशोधनों के बाद यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने की आशंकाओं को लेकर चर्चा चल रही थी। सरकार ने साफ किया है कि 2,000 रुपए तक के यूपीआई भुगतान और रुपे डेबिट कार्ड से किए गए भुगतान पर ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

सऊदी अरब का दावा- मक्का पर हुआ हमला: हूतियों ने किया खारिज, क्राउन प्रिंस ने मिरु से मांगी मदद

सऊदी, एजेंसी। सऊदी अरब ने दावा किया है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले एक ड्रोन को मार गिराया है। सऊदी सैन्य प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने चेतावनी दी कि मक्का और दोनों पवित्र मस्जिदों की सुरक्षा उसके लिए 'रेड लाइन' है और किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का जवाब दिया जाएगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं और लाल सागर के रणनीतिक इलाकों में अपनी सैन्य स्थिति मजबूत कर ली है। हूती पक्ष ने मक्का को निशाना बनाने के आरोप को खारिज किया है, लेकिन सीमा पार हमलों और सऊदी हवाई कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में तनाव को फिर चरम पर पहुंचा दिया है।

सऊदी सैन्य अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन को मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में पहुंचने से पहले ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। अल-मलिकी ने कहा कि पवित्र शहर और वहां आने वाले जायरीनों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि सऊदी अरब भविष्य में ऐसे हमलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकता है। हालांकि हूती पक्ष ने इस दावे को सीधे खारिज कर दिया। हूती नेता हाजेम अल-असद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मक्का को निशाना बनाए जाने के आरोप को "पुराना और बेबुनियाद" बताया। ऐसे में ड्रोन की उत्पत्ति और उसके वास्तविक लक्ष्य को लेकर दोनों पक्षों के दावे अलग-अलग हैं।

मक्का के पास ड्रोन गिराए जाने की घटना से कुछ ही समय पहले हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने दावा किया था कि सऊदी लड़ाकू विमानों ने यमन के पांच प्रांतों में 52 हवाई हमले किए। उनके मुताबिक, एफ-15 और टाइफून लड़ाकू विमानों ने सऊदी अरब के खमीस मुशैत और ताइफ स्थित हवाई ठिकानों से उड़ान भरकर तैज, अल-जौफ, अल-बायदा, सादा और अमरान में हमले किए। हूती पक्ष ने दावा किया कि इन हमलों में स्कूलों, पुलों, सड़कों और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया गया। सऊदी अधिकारियों ने इन आरोपों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। हूती प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि सऊदी हवाई हमलों का जवाब दिया जाएगा। हूती संचालित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि तैज प्रांत के धुबाब और मकबाना जिलों में सऊदी हवाई हमलों में तीन नागरिक मारे गए, जिनमें दो बच्चे शामिल हैं। दो अन्य लोगों के घायल होने की भी बात कही गई है। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले सोमवार को हूतियों की ओर से खमीस मुशैत, अबहा और ताइफ को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए जाने की जानकारी सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने दी थी। गठबंधन के अनुसार इन हमलों में 13 नागरिक घायल हुए। सऊदी पक्ष ने इसके बाद हूती हमलों के खिलाफ "जिम्मेदार और दृढ़" जवाब देने की बात कही थी। बढ़ते सीमा-पार हमलों के बीच सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान मंगलवार को काहिरा पहुंचे और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने लाल सागर और बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य में समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

मोखा और मायून पर कब्जे से बढ़ी चिंता

हूती विद्रोहियों ने 3 सितंबर से शुरू हुए अपने नए सैन्य अभियान में यमन के पश्चिमी तट पर तेजी से बढ़त बनाई है। 10 सितंबर को उन्होंने रणनीतिक बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा कर लिया। इसके अगले दिन बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य के बीच स्थित मायून द्वीप पर भी नियंत्रण स्थापित करने का दावा किया गया। इसके अलावा बाब अल-मंदब के आसपास के अन्य रणनीतिक इलाकों में भी हूतियों की स्थिति मजबूत हुई है। यह घटनाक्रम सऊदी अरब के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बाब अल-मंदब लाल सागर को अदन की खाड़ी और खुले समुद्र से जोड़ता है। एशिया की ओर जाने वाले सऊदी तेल निर्यात के लिए यह समुद्री मार्ग बेहद अहम है।

तेल आपूर्ति पर भी मंडरा रहा खतरा

लाल सागर में सुरक्षा संकट के साथ सऊदी अरब की तेल आपूर्ति व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ गया है। कुछ दिन पहले देश की महत्वपूर्ण ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन को नुकसान पहुंचने की रिपोर्ट सामने आई थी। इसके पीछे इराक में सक्रिय ईरान समर्थित मिलिशिया का हाथ होने की बात कही गई है। पाइपलाइन की मरम्मत में कई सप्ताह लगने की आशंका है। इससे प्रतिदिन कई मिलियन बैरल तेल की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। ऐसे में समुद्री मार्गों पर हूती हमले और पाइपलाइन को नुकसान, दोनों मिलकर सऊदी अरब के सामने ऊर्जा आपूर्ति की चुनौती को और गंभीर बना रहे हैं।

सऊदी अरब के सामने सैन्य कार्रवाई या कूटनीति का विकल्प

सऊदी अरब ने 2015 से हूतियों के खिलाफ लंबे समय तक सैन्य अभियान चलाया था, लेकिन जमीन पर निर्णायक सफलता नहीं मिल सकी। 2022 में संघर्ष में एक तरह की शांति आने के बाद हालात अपेक्षाकृत शांत हुए थे। अब हूतियों की नई सैन्य बढ़त ने उस स्थिति को फिर बदल दिया है। रियाद के सामने अब यह सवाल है कि वह हूतियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को कितना आगे बढ़ाए। बड़ा सैन्य अभियान शुरू करने से सऊदी शहरों और तेल प्रतिष्ठानों पर जवाबी हमलों का खतरा बढ़ सकता है।

अमेरिका-यूरोप में रूसी विरोधियों को मारने की साजिश: एफबीआई ने खुफिया नेटवर्क का कैसे किया भंडाफोड़?

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस की खुफिया एजेंसियां अमेरिका और यूक्रेन का समर्थन करने वाले यूरोपीय देशों में टारगेटेड किलिंग (खास लोगों की हत्या) करने की साजिश रच रही हैं। यह जानकारी अमेरिकी अधिकारियों ने मंगलवार को वॉशिंगटन डी.सी. में रह रहे रूस के एक प्रमुख असंतुष्ट नेता की हत्या की साजिश को नाकाम करने के बाद दी।

मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में जारी किए गए एक आरोप-पत्र के अनुसार, इस साजिश में विदेश में रहने वाले पांच लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। इसमें कहा गया है कि रूसी खुफिया सेवाओं का एक नेटवर्क 2024 से ही अमेरिका और दूसरे देशों में लोगों को पैसे देता रहा है ताकि वे रूस के विरोधी लोगों पर नजर रख सकें और फिर उनकी हत्या कर सकें।

आरोप-पत्र में कहा गया है कि

नेटवर्क की ओर से भर्ती किए गए लोगों से उन यूरोपीय देशों में आम नागरिकों और सेना के बुनियादी ढांचे के खिलाफ आतंकवादी हमले करने के लिए भी कहा गया है, जिन्हें यूक्रेन का समर्थक माना जाता है।

जेम्स सी. बार्नाकल ने क्या कहा?

न्यूयॉर्क में एफबीआई ऑफिस के हेड जेम्स सी. बार्नाकल जूनियर ने कहा कि एजेंसी ने लगातार मेहनत करके इन योजनाओं को नाकाम कर दिया, क्योंकि इंटेलिजेंस सर्विस के सदस्यों और उनके सहयोगियों ने अमेरिका और दुनिया भर में लोगों को डराने-धमकाने या उनकी हत्या करने की साजिश रची थी।

एफबीआई के वाशिंगटन, डीसी स्थित कार्यालय के प्रमुख डैरेन बी. कॉक्स ने एक बयान में कहा, 'कई एफबीआई फील्ड ऑफिस, विभागों और सहयोगी एजेंसियों के बेहतरीन काम का हवाला दिया। इसके साथ ही कहा कि उन्होंने साजिश को नाकाम करने के लिए तेजी से कदम उठाए।'

बयान के मुताबिक, रूसी फेडरेशन की इंटेलिजेंस सर्विस के लिए काम करने वाले लोगों के एक नेटवर्क ने कम से कम 2024 से अमेरिका समेत दुनिया भर में हमले और हत्याएं करने की साजिश रची थी और उन्हें अंजाम भी दिया था।

पहले इस नेटवर्क का क्या मकसद था?

बयान में कहा गया है कि पहले यह नेटवर्क रूसी असंतुष्टों और देश छोड़कर भागने वालों पर ध्यान केंद्रित करता था, लेकिन 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद इसने उन देशों को निशाना बनाना शुरू कर दिया जिन्हें यूक्रेन का सहयोगी माना जाता है। इसमें यह भी कहा गया है कि हाल ही में, नेटवर्क के सदस्यों ने अमेरिका में कई लोगों को भर्ती करने की कोशिश की है।

अमेरिकी अटॉर्नी जेमी मैकडोनाल्ड ने एक बयान में कहा कि नाकाम की गई साजिश में शामिल लोगों ने दुनिया भर में, और खुद अमेरिका में भी तबाही और अफरातफरी मचाने की साजिश रची थी।'

आरोपियों की पहचान की गई

अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। उनमें रूसी खुफिया सेवाओं के तीन बड़े अधिकारी शामिल हैं। उनकी पहचान यूरी ख्रामेव (रूसी खुफिया सेवाओं के पूर्व कर्नल), उनके बेटे किरिल ख्रामेव (रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस के अधिकारी) और ओएमिस रोमागोजा डुरुथी (क्यूबा के नागरिक और रूस में रहने वाले प्रभावशाली क्यूबाई प्रवासी) के तौर पर की गई है।

आरोप-पत्र में कहा गया है कि फेडरल सिक्योरिटी सर्विस रूस की मुख्य सुरक्षा एजेंसी है। यह पूर्व सोवियत संघ की 'कमेटी फॉर स्टेट सिक्योरिटी' (जिसे KGB के नाम से जाना जाता था) की उत्तराधिकारी एजेंसी है।

आरोप-पत्र के अनुसार, यूरी ख्रामेव और दो अन्य लोगों ने ब्रुकलिन में रहने वाले वेनेजुएला के एक नागरिक को काम पर रखा। उन्हें रूस के एक जाने-माने असंतुष्ट व्यक्ति की निगरानी करने और उसकी हत्या करने का काम सौंपा गया था, जिसके बारे में उनका मानना था कि वह वाशिंगटन डीसी में रह रहा है।

काम करने पर कितने पैसे मिलते हैं?

इसमें कहा गया है कि ब्रुकलिन में रहने वाले उस व्यक्ति को टारगेट किए गए व्यक्ति से जुड़ी दो जगहों पर भेजा गया था। उसे निगरानी कैसे करनी है, इस बारे में साफ निर्देश दिए गए थे। साथ ही, काम पूरा करने पर उसे 1,000 डॉलर और 1,500 डॉलर देने का वादा किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि निगरानी करने और टारगेट किए गए व्यक्ति से जुड़ी जगहों की कई तस्वीरें और वीडियो उपलब्ध कराने के बाद, अमेरिका में रहने वाले उस व्यक्ति ने हत्या कर टारगेट को खत्म करने या गायब करने के बदले में दिए जा रहे 40,000 डॉलर के ऑफर को ठुकरा दिया। आरोप-पत्र में कहा गया है कि जब ऑफर ठुकरा दिया गया, तो खुफिया सेवा के जिस सदस्य ने यह ऑफर दिया था। उसने अमेरिका में ही कई अन्य लोगों को यह काम पूरा करने के लिए बड़ी रकम की पेशकश की।

ईडी की बड़ी कार्रवाई : अमृत ग्रुप के कोलकाता-इंदौर में 17 ठिकानों पर रेड, निवेशकों से धोखाधड़ी का लगा आरोप

कोलकाता, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कोलकाता और मध्य प्रदेश के इंदौर में कई जगहों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई निवेश से जुड़े कथित धोखाधड़ी के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई, जिसमें कई निवेशकों के साथ धोखाधड़ी हुई थी। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

उन्होंने बताया कि 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' (PMLA) के तहत इन दोनों शहरों में अमृत ग्रुप की कंपनियों और उनके प्रमोटरों से जुड़ी लगभग 17 जगहों पर छापेमारी की गई।

अधिकारियों के मुताबिक, आरोप है कि कंपनियों के इस समूह और उनके निदेशकों ने ज्यादा रिटर्न का वादा करके अलग-अलग डिपॉजिट स्कीम के नाम पर आम लोगों से पैसे जमा किए, लेकिन वादा किया गया रिटर्न वापस नहीं किया।वहीं, अभी तक ईडी की इस कार्रवाई पर टिप्पणी के लिए कंपनी या उसके प्रमोटरों से तुरंत संपर्क नहीं हो सका।

कुकी महिलाओं की हत्या से मणिपुर में तनाव: उग्रवादियों ने रातभर की गोलीबारी- दो घर फूंके, सीआरपीएफ हुई तैनात

इंफाल, एजेंसी। संदिग्ध उग्रवादियों ने मणिपुर के कांगपोकपी जिले के एक पहाड़ी गांव पर हमला किया। इसके साथ ही सुरक्षा बलों के साथ गोलीबारी के दौरान कम से कम दो घर जला दिए। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी।

एक अधिकारी ने बताया कि आधुनिक हथियारों से लैस बड़ी संख्या में उग्रवादियों ने मंगलवार रात करीब 10.30 बजे चावांगकिनिंग नागा गांव पर हमला किया। यह हमला तमेंगलोंग जिले के लेइसंगफाई में दो कुकी महिलाओं की गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ घंटों बाद हुआ। उन्होंने बताया कि पास के इलाके में तैनात सीआरपीएफ जवानों ने जवाबी कार्रवाई की।

अधिकारी ने कहा, 'बुधवार सुबह 4.30 बजे तक करीब छह घंटे तक रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। सीआरपीएफ ने जवाबी फायरिंग की और उग्रवादियों को गांव में घुसने से रोका।' उन्होंने बताया कि हालांकि, गांव की सीमा पर बने लकड़ी के दो घर जल गए।

गांव के रहने वाले लोगों ने क्या बताया?

गांव के रहने वाले डेनियल चारेनामाई ने कहा, 'हमारे गांव पर रात करीब 10.30 बजे हमला हुआ और सुबह 4 बजे तक गोलीबारी जारी रही। हमारे गांव में तैनात सीआरपीएफ ने जवाबी फायरिंग की और गांव पर कब्जा होने से बचाया।'

वरिष्ठ नागा नेता ने हमले की निंदा की

वरिष्ठ नागा नेता और नागा पीपल्स फ्रंट के विधायक अवांगबोउ न्यूमाई ने बुधवार को चावांगकिनिंग में दो महिलाओं की हत्या और घरों को जलाए जाने की निंदा की। न्यूमाई ने एक बयान में कहा, 'इस तरह की बर्बर और बेमतलब की हरकतें किसी भी समुदाय के लिए कभी कुछ अच्छा नहीं लाएंगी।'

कांगपोकपी जिले के साइकुल निर्वाचन क्षेत्र की कुकी विधायक ने भी दो महिलाओं की हत्या की निंदा की। इसके साथ ही कहा कि पीड़ितों में से एक ने हाल ही में नर्सिंग की पढ़ाई पूरी की थी।हत्या में एनएससीएन-आईएम और जुफ-के के सदस्यों की संलिप्तता का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, 'बेगुनाह महिलाओं की हत्या पूरी तरह से बर्बरतापूर्ण कृत्य है, जिसे किसी भी राजनीतिक मकसद, विचारधारा या शिकायत के आधार पर सही नहीं ठहराया जा सकता।'

पेरिस लूट मामले में अमेरिकी स्टार की जीत, अभिनेत्री को अदालत ने दिया एक यूरो का मुआवजा

: साल 2016 में पेरिस के एक होटल में किम कार्दर्शियन के साथ लूटपाट की घटना घटी थी। इस मामले में पेरिस की एक अदालत ने अभिनेत्री को एक यूरो (1.15 अमेरिकी डॉलर) का मुआवजा दिया है।

पेरिस की एक अदालत ने मंगलवार को किम कार्दशियन को 1 यूरो (1.15 अमेरिकी डॉलर) का मुआवजा देने का फैसला सुनाया। यह वही रकम है, जिसकी मांग उन्होंने 2016 में फ्रांस की राजधानी में हुई हथियारबंद लूट का शिकार होने के बाद की थी। इस मामले से जुड़े एक वकील ने यह जानकारी दी है। बता दें कि भारतीय धनराशि में यह रकम करीब 110.71 रुपये है।

अदालत ने पेरिस लूट मामले में किम को यह हर्जाना प्रतीकात्मक रूप में दिया है। किम कार्दशियन ने अदालत से सिर्फ एक यूरो की ही मांग की थी। उनके वकीलों के मुताबिक, किम इस मुकदमे से कोई पैसा या वित्तीय लाभ नहीं कमाना चाहती थीं, बल्कि उनका मकसद आरोपियों की जवाबदेही तय करना था।

घटना में आठ लोग ठहराए गए थे दोषी

बता दें कि साल 2016 में अमेरिकी रिएलिटी टीवी स्टार किम कार्दशियन के साथ पेरिस के होटल में लूटपाट हुई थी। किम से बंदूक की नोक पर करोड़ों डॉलर और ज्वैलरी लूट ली गई। पेरिस होटल के जिस कमरे में किम ठहरी हुई थीं, उसमें पुलिस की वर्दी में दो हथियारबंद आए और उन्हें बंधी बना लिया था। अमेरिकी सेलिब्रिटी ने इस घटना को अपनी जिंदगी का सबसे डरावना अनुभव बताया था। पिछले साल जब कोर्ट ने उस घटना में आठ लोगों को दोषी ठहराया था।

होटल रिसेप्शनिस्ट को कितना मुआवजा मिला?

किम को लूटपाट मामले में एक यूरो मुआवजा मिला है, वहीं अभिनेत्री के वकील के अनुसार, कोर्ट ने होटल डी पोरटेल्स के एक पूर्व रिसेप्शनिस्ट को 109,516 यूरो (126,472 अमेरिकी डॉलर) देने का आदेश दिया। जब लुटेरों के गिरोह ने कार्दशियन को निशाना बनाया, तब वह भी उसी होटल में ठहरे हुए थे।

रिसेप्शनिस्ट ने कहा कि फैशन वीक के दौरान 2 अक्तूबर, 2016 को हुई गहनों की चोरी से उन्हें गहरा सदमा पहुंचा था। रिसेप्शनिस्ट ने मुआवजे और ब्याज के तौर पर 5,50,000 यूरो (6,34,868 अमेरिकी डॉलर) की मांग की थी। रिसेप्शनिस्ट के वकील, मोहंद ओइद्जा ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे जीत बताया।

कार्दशियन की स्टाइलिस्ट को भी मुआवजा

वकील ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को कोर्ट के वे लिखित फैसले भी पढ़कर सुनाए जो कार्दशियन और दूसरों से जुड़े थे। कोर्ट ने होटल को 50,000 यूरो (57,741 अमेरिकी डॉलर) देने का आदेश दिया। साथ ही, कोर्ट ने कार्दशियन की स्टाइलिस्ट सिमोन ब्रेटर को 1 यूरो देने का आदेश दिया। किम की तरह स्टाइलिस्ट ने भी इतनी ही रकम मांगी थी। लूट के समय वे भी वहां मौजूद थीं।

बॉक्स ऑफिस पर मिर्जापुर : द मूवी और हनुमान अंश का जलवा बरकरार, हैवान का खस्ता हाल

बॉक्स ऑफिस पर इस वक्त बॉलीवुड की कई फिल्मों ने कब्जा जमा रखा है। एक तरफ अली फजल की फिल्म मिर्जापुरः द मूवी दर्शकों के बीच खूब लोकप्रियता बटोर रही है। वहीं विशाल चतुर्वेदी की हनुमान अंश एक महीना पूरा करने के बावजूद छाई हुई है। हालांकि, अक्षय कुमार और सैफ अली खान अभिनीत हैवान को रिलीज के सिर्फ 3 दिन हुए और इन्हीं में इसका हाल बेहाल होता दिख रहा है। आइए जानते हैं इन फिल्मों का कलेक्शन।

सैकनिल्क के मुताबिक, अक्षय और सैफ अभिनीत हैवान 11 सितंबर को रिलीज हुई थी।

इसके तीसरे दिन (रविवार) महज 1.85 करोड़ रुपये कमाए, जबकि दूसरे दिन 2.50 करोड़ और पहले दिन 3 करोड़ रुपये कमाए थे।

इसका कुल नेट कलेक्शन 3 दिनों में सिर्फ 7.35 करोड़ रुपये हुआ है। दुनियाभर में भी फिल्म का असर कुछ खास नहीं है और यह अब तक 11.55 करोड़ रुपये कमा पाई है।

इसका बजट 90 से 110 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

अली और पंकज त्रिपाठी अभिनीत मिर्जापुरः द मूवी ने 10वें दिन (रविवार) 13.25 करोड़ रुपये कमाए। इसका कुल कलेक्शन 184.70 करोड़ रुपये हो चुका है।

विश्व स्तर पर फिल्म ने अब तक 266.04 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

दिलचस्प बात यह है कि महज 2 करोड़ के बजट वाली हनुमान अंश ने 38वें दिन 22.50 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया है और सब पर भारी पड़ रही है।

इसका कुल कलेक्शन 214.63 करोड़ रुपये हो गया है।

रिलीज हुआ रामायण का पहला गाना, ए.आर. रहमान, अरिजीत, श्रेया की आवाज में गूंजा जय जय राम

गणेश चतुर्थी पर रामायण के मेकर्स ने फैंस को तोहफा दिया है। मेकर्स ने रामायण का पहला गाना जय जय राम रिलीज किया है। यह गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। गाने में एआर रहमान, अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल की आवाज सुन फैंस खुश हो गए हैं।

ए।आर। रहमान द्वारा कंपोज़ किए गए, डॉ। कुमार विश्वास द्वारा लिखे गए। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल द्वारा गाए गए जय जय राम गाने में आरती के आध्यात्मिक भाव और एक सिनेमाई गाने के इमोशन बेहतरीन संगम देखने को मिलता है। रामायण का यह पहला गाना भगवान राम के जीवन के कई अहम पलों को पर्दे पर दिखाता है, जिसमें सीता के साथ उनके विवाह से लेकर भरत के साथ उनके भावुक मिलन तक शामिल है।

इसके बोल श्री राम की करुणा, सुरक्षा और धर्म के पालन को दर्शाते हैं। ऑस्कर जीतने वाले म्यूज़िशियन ने बताया कि इस गाने का मकसद भगवान राम पर केंद्रित प्रार्थना की शुद्धता और आत्मीयता को बनाए रखना था।

एक प्रेस नोट में एआर रहमान ने कहा, जय जय राम के केंद्र में श्री राम के नाम का सरल और प्रभावशाली दोहराव है। संगीत के नजरिए से मकसद एक प्रार्थना की शुद्धता और आत्मीयता को बनाए रखते हुए इसे एक सिनेमाई गाने का रूप देना था। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने डॉ। कुमार विश्वास के शब्दों को अपने खास जज्बाती अंदाज में पेश किया है, और साथ ही गाने की मूल भावना यानी भक्ति को भी पूरी तरह से बनाए रखा है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इसमें शांति और एक निजी जुड़ाव, दोनों का अनुभव होगा।

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज द्वारा आठ बार एकेडमी अवॉर्ड जीतने वाली कंपनी डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के साथ मिलकर यह फिल्म बनाई गई है। रामायण पार्ट वन 2026 की दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com